रांची, सोमवार, 4 अगस्त 2025

संवत 2082, श्रावण शुक्ल 11 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 331, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ हलधर नाग और संबलपुरी समाज

हर किरदार कुछ नया सबक देता है : कनिका मान ◀◀ 6

नहीं रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन, 81 साल की उम्र में हुआ निधन, झारखंड में शोक की लहर

- मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा,''आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सबको छोड़कर चले गए,मैं आज 'शून्य' हो गया..

नई दिल्ली/रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का आज सोमवार को निधन हो गया। वे 81 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं...'

इस बीच सर गंगा राम अस्पताल की ओर से बताया गया कि शिबू सोरेन को आज सुबह 8:56 बजे मृत घोषित कर दिया गया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। वे किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। पिछले एक महीने से वे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे।

81 वर्षीय शिबू लंबे समय से अस्पताल में नियमित रूप से इलाज करा रहे थे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 24 जून को अपने पिता के अस्पताल में भर्ती होने पर कहा था, 'उन्हें हाल ही में यहां भर्ती कराया गया था, इसलिए हम उनसे मिलने आए थे। उनकी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की जा रही है।' शिबू सोरेन पिछले 38 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता थे और उन्हें पार्टी के संस्थापक संरक्षक के रूप में जाना जाता है।

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने आदिवासी समुदाय की समस्याओं, शोषण और अन्याय को करीब से देखा। 1960 के दशक में उन्होंने आदिवासी अधिकारों और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष शुरू किया। 1970 के दशक में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। उनका मुख्य उद्देश्य अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलन चलाना था। इस आंदोलन में उन्होंने आदिवासियों के जमीन छीनने, शोषण और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। 1980 में शिबू सोरेन पहली बार लोकसभा सदस्य बने। इसके बाद उन्होंने कई बार संसद में आदिवासी मुद्दों को उठाया और झारखंड राज्य गठन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों और लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ। राज्य गठन के बाद शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने- 2005, 2008 और 2009 में। हालांकि, राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की खींचतान के कारण उनका कार्यकाल लंबा नहीं चल सका। इसके बावजूद उन्होंने आदिवासी कल्याण, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई पहल की। उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए। भ्रष्टाचार और हत्या जैसे गंभीर मामलों में वे आरोपित हुए, हालांकि बाद में कई मामलों में बरी भी हुए।

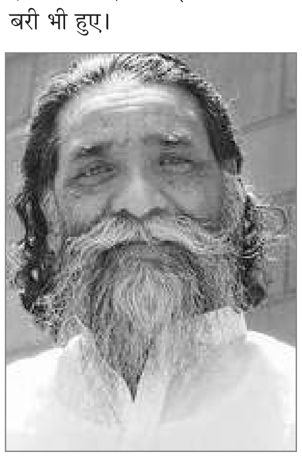

आज शाम रांची लाया जाएगा शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर, कल पैतृक गांव नेमरा में होगा अंतिम संस्कार

नई दिल्ली/ रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। उनका पार्थिव शरीर आज शाम छह बजे झारखंड लाया जाएगा। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में किया जाएगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास पर लाया जाएगा। मंगलवार सुबह झामुमो के पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां जनप्रतिनिधि और अधिकारी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

राज्य सरकार ने शिबू सोरेन के सम्मान में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान सभी सरकारी आयोजनों को रद्द कर दिया गया है और राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। चार और पांच अगस्त को सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा में भी गहरा शोक व्याप्त है। रांची के हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में पार्टी का झंडा झुका दिया गया। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने स्वयं झंडा उतारा। उन्होंने कहा कि झारखंड ने एक महान जननेता को खो दिया है। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस क्षति को अपूरणीय बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शिबू सोरेन के निधन पर विस का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, स्पीकर ने की घोषणा

रांचीः शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष रबिन्द्रनाथ महतो ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। सदन में सभी नेताओं ने 'शिबू सोरेन अमर रहें' के नारे लगाए। इसके साथ ही सभी नेताओं ने नम आंखों से शोक व्यक्त किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के महान नेता, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है। हम सभी उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। अध्यक्ष ने कहा, हम सभी बहुत दुखी हैं, अब वे हमारे बीच नहीं रहे।

शिबू सोरेन के निधन की पुष्टि उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। पिता के निधन की खबर के बाद राज्य में शोक की लहर फैल गई है। वे 81 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में उन्होंने सुबह 8:56 बजे अंतिम सांस ली। वे किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और पिछले एक महीने से जीवन रक्षक प्रणाली (लाइफ सपोर्ट) पर थे। डेढ़ महीने पहले उन्हें ब्रेन स्ट्रोक भी हुआ था।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, कहा, वह एक जमीनी नेता थे

नई दिल्लीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के अध्यक्ष शिबू सोरेन का आज यानी सोमवार को निधन हो गया है। उनके निधन से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में शोक की लहर है। अलग-अलग पार्टियों के नेता उनके निधन पर दुख जता रहे हैं।

शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थेः शिबू सोरेन के निधन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम ने 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में लिखा, ''श्री

शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में अपनी जगह बनाई। वे विशेष रूप से आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए उत्साही थे। उनके निधन से दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और उनको चाहने वालों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।''

गौरतलब है कि बीते काफी दिनों तक शिबू सोरेन सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती रहे। उनकी हालत काफी गंभीर थी और वह वेंटिलेटर पर थे। 81 वर्षीय शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। वे एक साल से डायलिसिस पर थे और पहले भी उनकी बायपास सर्जरी हो चुकी थी।

शिबू सोरेन के सम्मान में राज्य में 3 दिन का राजकीय शोक, दो दिन बंद रहेंगे सरकारी कार्यालय

झुका झारखंड मुक्ति मोर्चा का ध्वज

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के अध्यक्ष शिबू सोरेन का आज यानी सोमवार को निधन हो गया है। उनके निधन से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में शोक की लहर है। अलग-अलग पार्टियों के नेता उनके निधन पर दुख जता रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कई अन्य प्रमुख नेताओं ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

शिबू सोरेन के सम्मान में 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणाः झारखंड में उनके

समर्थकों और जेएमएम कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। राजधानी रांची स्थित झामुमो के केंद्रीय कार्यालय में सुबह पार्टी का झंडा झुकाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्य सरकार ने उनके सम्मान में 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। यह शोक 4 अगस्त 2025 से 6 अगस्त 2025 तक रहेगा। राजकीय शोक के दौरान राज्य के उन सभी भवनों पर, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, ध्वज आधा झुका रहेगा। साथ ही, इस अवधि में कोई भी राजकीय समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि राज्य सरकार के सभी कार्यालय 4 और 5 अगस्त को बंद रहेंगे। यह फैसला दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने और उनके सम्मान में लिया गया है।

गौरतलब है कि बीते काफी दिनों तक शिबू सोरेन सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती रहे। उनकी हालत काफी गंभीर थी और वह वेंटिलेटर पर थे। 81 वर्षीय शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। वे एक साल से डायलिसिस पर थे और पहले भी उनकी बायपास सर्जरी हो चुकी थी।

3 बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे शिबू सोरेन : शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को हजारीबाग के नेमरा गांव में हुआ था। शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति में आदिवासी अस्मिता और अधिकारों के प्रबल पैरोकार थे। उन्होंने 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की और अलग झारखंड राज्य के आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे और केंद्र सरकार में कोयला मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनके नेतृत्व में खटट ने आदिवासी समुदाय के हितों के लिए कई महत्वपूर्ण संघर्ष किए।

गुरुजी के निधन पर रघुवर दास और राज्यपाल ने जताया शोक

रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। जनजातीय समुदाय समेत सभी वर्गों में गहरा दुख व्यक्त किया जा रहा है। केंद्र और राज्य के शीर्ष नेताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया है।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, शिबू सोरेन जनजातीय समाज के सशक्त स्वर थे। उनका जाना एक युग का अंत है। वे एक आंदोलनकारी और संघर्षशील नेता रहे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि शिबू सोरेन का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा। एक समाज सुधारक और आंदोलनकारी नेता के रूप में वे हमेशा याद किए जाएंगे। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में मुझे मंत्री बनने का मौका मिला। वे गरीब और आदिवासी बच्चों के लिए रात्रि पाठशाला खोलने के पक्षधर थे। वे सिर्फ झारखंड नहीं, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज की पहचान थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज के लिए संघर्ष किया। आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है।

झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव कमलेश महतो ने कहा, आज पूरा झारखंड इस खबर से स्तब्ध है। शिबू सोरेन झारखंड के लोगों के लिए हमेशा संघर्ष करते रहे। उन्होंने झारखंडवासियों के अधिकारों के लिए जीवन भर लड़ाई लड़ी। कांग्रेस विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने भावुक होते हुए कहा, गुरुजी के निधन से पूरा देश सदमे में है। यह बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। आज हम विधायक या सांसद हैं, तो वह गुरुजी की देन है। चुनाव के समय मैंने उनसे आशीर्वाद लिया था। मेरा पूरा परिवार इस दुःख की घड़ी में उनके परिजनों के साथ खड़ा है। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और दिशोम गुरु के रूप में लोकप्रिय शिबू सोरेन को याद करते हुए खूंटी से सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा, शिबू सोरेन ने सामाजिक न्याय, जल-जंगल-जमीन और आदिवासी संस्कृति की रक्षा के लिए आंदोलन खड़ा किया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा। उनके नेतृत्व ने झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाने में अहम भूमिका निभाई। प्रदेश ही नहीं, देश ने एक महान जननायक को खो दिया है। उन्होंने आगे कहा, मैं खूंटी की जनता की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। वहीं, झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक अहमद ने कहा, यह अत्यंत दुखद समाचार है।

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अभी भी नाजुक, वेंटिलेटर पर

शरीर में नहीं दिख रहा कोई हलचल, आज हो सकता है आपॅरेशन

नई दिल्ली/ रांचीः राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। उनका दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह वेंटिलेटर पर है।

डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही हैः अस्पताल में बीमार नेता को देखने के बाद स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे बड़े भाई रामदास

सोरेन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज दिल्ली के अपोलो अस्पताल में चल रहा है। डॉ. सुधीर त्यागी के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। उनके बेटे रॉबिन सोरेन और रूपेश सोरेन उनके साथ हैं।''

बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा इरफान अंसारी, कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और मंत्री संजय प्रसाद यादव सहित कई नेता अस्पताल जाकर रामदास सोरेन के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ले चुके हैं। रामदास सोरेन जमशेदपुर में अपने घर पर गिर गये थे और उनके सिर में गहरी चोट लगी थी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता रामदास सोरेन (62) को जमशेदपुर से राष्ट्रीय राजधानी ले जाया गया था और इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह अपने आवास पर शौचालय में गिर गए थे।

राहुल गांधी से अदालत ने पूछा- आपको कैसे पता है कि चीन ने भारत की जमीन हड़पी? ऐसे बयानों से बचें

नई दिल्लीः भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है?

'विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें' : सुप्रीम कोर्ट ने

राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, 'आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

राहुल गांधी को अदालत ने दी राहतः सुप्रीम कोर्ट ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एक जिले की अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक भी लगा दी।

सावन की आखिरी सोमवारी आज

लाखों शिवभक्तों ने अमरेश्वर धाम में किया जलाभिषेक, प्रशासन मुस्तैद

संवाददाता

खूंटी : सावन माह के आखिरी सोमवार के पावन अवसर पर खूंटी स्थित प्रसिद्ध बाबा अमरेश्वर धाम में देशभर से आए लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर में आधी रात से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया, जो सुबह तक बढ़ता ही गया। भक्तों ने घंटों लंबी कतारों में इंतजार करके शिवलिंग पर जल चढ़ाया और भोले बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रद्धालुओं ने बनाई नदी में स्नान करके पवित्र जल लिया और पैदल ही अमरेश्वर धाम पहुँचे। मंदिर प्रांगण में हर हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कई भक्तों ने कावड़ यात्रा करके गंगाजल लाकर शिवलिंग पर अर्पित किया।

इस विशाल जनसमूह को देखते हुए अमरेश्वर धाम प्रबंधन समिति और प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने बताया कि लगभग 150 स्वयंसेवकों को 24 घंटे ड्यूटी पर लगाया गया था, जो भक्तों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर रहे थे। बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

पुलिस प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त जवानों की तैनाती की थी। यातायात को सुचारू रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। मंदिर परिसर में निःशुल्क भंडारा और चिकित्सा सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गईं।

झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा से आए श्रद्धालुओं ने व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें दर्शन और पूजा में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

इस तरह, सावन के अंतिम सोमवार पर बाबा अमरेश्वर धाम में शिवभक्तों की अटूट आस्था और प्रशासन की बेहतरीन व्यवस्था ने इस पवित्र दिन को यादगार बना दिया।

बाबा अमरेश्वर धाम में जलार्पण करने भरनो, गुमला से पैदल चलकर 1005 कांवरियों का जत्था आम्रेश्वर धाम पहुंचा

खूंटी (झारखंड): गुमला जिले के भरनो प्रखंड से 1005 कांवरियों का एक विशाल दल पारस नदी से जल लेकर आम्रेश्वर धाम (खूँटी) पहुँचा। इन श्रद्धालुओं ने 60 किलोमीटर से अधिक की दूरी नंगे पाँव दो दिन में तय करते हुए ₹बोल बम₹ के जयकारों के साथ भगवान शिव के दरबार अमरेश्वर धाम पहुंच। इस दल में 5 साल के छोटे बच्चों से लेकर 65 वर्ष तक के भक्त शामिल थे, जिन्होंने गेरुआ वस्त्र धारण कर भक्ति में सराबोर होकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

रविवार को भरनो से आए कांवरियों ने गाजे-बाजे और नृत्य के साथ आम्रेश्वर धाम में प्रवेश किया। मंदिर के निकट पहुँचते ही सभी भक्त भाव-विभोर हो गए और भोलेनाथ के दर्शन कर माथा टेका। इस दौरान पूरे क्षेत्र में आस्था और उल्लास का माहौल छाया रहा।

यह परंपरा 1999 से चली आ रही है, जब भरनो निवासी गया प्रसाद केशरी, उनकी पत्नी ललिता देवी और पुत्र रामविलास केशरी ने पहली बार पारस नदी से जल लेकर आम्रेश्वर धाम में शिवलिंग पर अर्पण किया था। तब से यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है और हर साल कांवरियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस बार 1005 कावरियों ने पैदल आकर अपने आस्था का परिचय दिया है। इस जत्था के साथ लगभग 50 की संख्या में सरना समाज के लोगों भी पैदल चल कर भगवान शिव पर जलाभिषेक करने आए है। आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति ने सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया और उनके ठहरने व भोजन की उचित व्यवस्था की। समिति के सदस्यों व स्थानीय स्वयंसेवकों ने जगह-जगह श्रद्धालुओं की सहायता के लिए विशेष प्रबंध किए, ताकि किसी को भी कोई दिक्कत न हो।

फ्रेंडशिप डे पर पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संवाददाता

मुरहूः फ्रेंडशिप डे के मौके पर श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर, मुरहू ने एक अनूठी पहल करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्थान के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर इस दिन को यादगार बनाया।

संस्थान के निदेशक एवं शिक्षक सकलदीप भगत ने इस अवसर पर कहा, पेड़ हमारे सच्चे मित्र हैं जो बिना किसी स्वार्थ के हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पौधों के साथ दोस्ती करना जीवन के मूलभूत स्रोत से जुड़ने जैसा है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम संस्थान की वार्षिक परंपरा बन चुका है, जिसमें युवाओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जाता है।

सकलदीप भगत ने समाज से आह्वान करते हुए कहा, हम सभी को अपने बच्चों के जन्मदिन पर केक काटने की बजाय उनके नाम पर पौधे लगाने चाहिए। यह न सिर्फ एक स्थायी उपहार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा।₹ उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जैसे प्रकृति-पूजक देश में पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है।

अपने संबोधन के अंत में भगत ने कहा, सरकारें और संस्थाएं पौधारोपण अभियान चलाती हैं, लेकिन केवल उनके भरोसे बैठना उचित नहीं है। प्रत्येक नागरिक को यह जिम्मेदारी स्वयं उठानी होगी। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे न केवल पौधे लगाएं बल्कि उनकी देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखें।

इस अवसर पर संस्थान के सभी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने के साथ हुआ।

यह कार्यक्रम युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

बाबा आम्रेश्वर धाम में गुड़िया ड्रीमलैंड मनोरंजन पार्क का उद्घाटन

खूंटीः बाबा आम्रेश्वर धाम के प्रसिद्ध श्रावणी मेले में गुड़िया ड्रीमलैंड मनोरंजन पार्क का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में और मुरहू के अंचलाधिकारी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में फीता काटकर पार्क का शुभारंभ किया। इस मनोरंजन पार्क के खुलने से मेले की रौनक और बढ़ गई है। श्रद्धालु जहाँ बाबा आम्रेश्वर धाम और अंगराबारी में भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना कर रहे हैं, वहीं मेले में लगे इस नए आकर्षण का लुत्फ भी उठा रहे हैं। इस अवसर पर महेंद्र भगत, आनंद वर्मा, संतोष सिंह, महेंद्र कश्यप, जगदीश कश्यप सहित प्रबंध समिति के कई सदस्य और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद थे। गुड़िया ड्रीमलैंड के खुलने से मेले में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए मनोरंजन का एक नया विकल्प मिला है। इससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। समारोह के दौरान मौजूद लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मेले को और भी आकर्षक बना देगा।

पिस्का ग्राम के खेरडीह टोला में 25केवी ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

मुरीः सिल्ली प्रखंड अंतर्गत पिस्का ग्राम के खेरडीह में विधायक अमित कुमार महतो के पहल पर वार्ड मेंबर राजकुमार महतो ने पच्चीस केबी का ट्रांसफार्मर का उद्घाटन फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर किया गया। दिशा निर्देश अनुसार जिला परिषद प्रतिनिधि अखिल महतो ,प्रकाश कुमार , खेरडीह ग्राम के दिलीप महतो ,सचिन महतो , जितेन महतो, सीमंत महतो,कालेश्वर महतो, भोला महतो, जागेश्वर महतो व कई लोग उपस्थित थे।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए बिरसा सेना निकालेगी अधिकार रैली

जमशेदपुर : बारीडीह स्थित शकुंतला भवन में रविवार को बिरसा सेना की बैठक अजय सिंह जामुदा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 अगस्त को शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर बिरसा सेना अधिकार रैली निकालेगी। रैली बिरसानगर के सिदो-कान्हू चौक से बाइक जुलूस के रूप में शुरू होगी और बिष्टुपुर चमरिया गेस्ट हाउस पहुंचेगी। इसके बाद कदमा उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो की समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जायेगी। बिरसा सेना के अध्यक्ष दिनकर कच्छप ने कहा कि यह रैली जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए निकाली जा रही है। साथ ही शहीद निर्मल महतो के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिरसा सेना हमेशा आदिवासी समाज और आम जनता के हक की लड़ाई लड़ती रही है। बैठक में पिथो सांडिल, हनुमान सोय, आदित्य कुमार ठाकुर, महावीर कर्मकार, सुनील बोयपाई, किशोर लागुरी, सुकराम सामद, संतोष बोदरा, हिमांशु मुखी, समीर पाड़ेया, अनमोल पात्रो, अजय समद, राजेंद्र सांडिल, विशाल नाग, सुनील मुर्मू, सुकलाल हेंब्रम, रोशन जामुदा, अखिल कच्छप, के। उगुरसुंडी, लखन सांडिल समेत अन्य उपस्थित थे।

एमजीएम स्कूल में सीबीएसई इस्ट जोन बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट

संवाददाता

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में चार दिवसीय (3 से 6 अगस्त तक) सीबीएसइ इस्ट जोन बालिका फुटबाल टूर्नामेंट रविवार को शुरू हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश कुमार ने ध्वजारोहण कर की। प्रधानाध्यापक फादर डॉ जोशी वर्गीस ने कहा कि टूर्नामेंट में उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड के अलावा इस्ट जोन के 12 विद्यालयों की 16 बालिका टीमें भाग ले रही हैं। अंडर 14, अंडर 17 व अंडर 19 ग्रुप में 23 मैच खेले जायेंगे।

अंडर 14 में आर्मी पब्लिक स्कूल लखनऊ की टीम जीती : टूर्नामेंट के अंडर 14 ग्रुप के उद्घाटन मैच में आर्मी पब्लिक स्कूल लखनऊ की टीम ने एकतरफा मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल कानपुर को 12-0 गोल से पराजित कर दिया। अंडर 17 में विद्या ज्ञान स्कूल सीतापुर ने संत पाल पब्लिक स्कूल सलेमपुर को 13-0 से हराया। अंडर 19 में आर्मी पब्लिक स्कूल लखन ने श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल को 4-0 से हरा दिया। मौके पर सीबीएसइ के ऑब्जर्बर अनिल कुमार, जिला फुटबाल संघ के सचिव महेंद्र प्रसाद, डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो के उपाध्यक्ष व रेनबो स्कूल के प्राचार्य विपुल कुमार सिंह, ओरिएंटल फाउंडेशन स्कूल के निदेशक व उपाध्यक्ष डॉ आमीर हुसैन, माउंट सियोन स्कूल के निदेशक संजीव ठाकुर, माउंट सियोन स्कूल की प्राचार्य डॉ बी रीना ठाकुर, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अशोक पाठक, डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अनुराधा सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार, गैलेक्सी पब्लिक स्कूल के निदेशक सुबोध कुमार दत्ता, मनोज कुमार दत्ता, सरदार पटेल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सुमित कुमार, एजी नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य नितिन फ्लिप, संत मेरी नर्सरी स्कूल के प्राचार्य फादर डीनू एम डैनियल, ओएनजीसी के अधिकारी अनूप मिंज, एमजीएम स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य पीए जकारिया, पीई ईप्पन, उप प्राचार्य राखी बनर्जी, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, राजीव सिंह, वंदना शर्मज्ञ, सौरभ कुमार, मोहसिन आदि उपस्थित थे।

एक ही रात कॉलोनी के चार घरों से लाखों की चोरी

धनबादः निरसा पुराना थाना एनएच से महज एक सौ मीटर दूर पीठाकियारी स्थित सिलेक्टेड लायकडीह कॉलोनी के चार आवासों का ताला तोड़ कर चोरों ने शनिवार की रात जेवरात व नकदी समेत लाखों की संपत्ति चोरी कर ली। चारों घरों से करीब सात लाख की संपत्ति चोरी हुई है। चारों आवास के गृहस्वामी रात में घर में नहीं थे। सभी बाहर गये थे। चोरी की इस घटना से लोगों में दहशत व्याप्त है। चोरों ने सुजीत रविदास, विकेश सिंह उर्फ बीकू, एके राय अंसारी एवं अखिलेश सिंह के आवास को निशाना बनाया। अखिलेश सिंह एवं सुजीत रविदास के आवास का अलमारी एवं दीवान तोड़ कर चोर जेवरात ले भागे। बीके सिंह एवं एके राय अंसारी के घर में चोरों ने अलमीरा एवं बक्से का ताला तोड़ा, लेकिन जेवरात एवं नकदी नहीं मिला। भुक्तभोगी परिवार ने घटना की शिकायत निरसा पुलिस से की है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है। इस संबंध में पीड़ित परिवारों ने निरसा थाना में शिकायत दर्ज करायी है। सुजीत रविदास की पत्नी सुलेखा देवी ने तीन लोगों पर चोरी की घटना को अंजाम देने की आशंका जतायी है। चारों घरों में ताला बंद थाः ग्रामीणों ने बताया कि जिन चार घरों का ताला चोरों ने तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उन चारों हीं घर के गृह स्वामी घर पर नहीं थे। चोरों ने घर के ताले को छोड़कर घर में प्रवेश किया तथा आराम से नगदी एवं जेवरात पर हाथ साफ किया तथा चलते बने। ग्रामीणों ने बताया कि अखिलेश सिंह की पत्नी की तबीयत खराब है। जिसका इलाज कराने वह बाहर गए हुए हैं।

झारखंड सरकार ने निरस्त किया 2.5 लाख से ज्यादा राशन कार्ड, मृत भी ले रहे थे अनाज

संवाददाता

रांचीः जन वितरण प्रणाली के तहत गलत तरीके से राशन उठाव कर रहे कार्ड धारक लाभुकों के खिलाफ राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता विभाग ने सघन जांच अभियान चलाकर कुल चार कैटेगरी में अब तक 2.58 लाख (2,58,344) राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं। इन कैटेगरी में मृत, 100 साल से ऊपर और 18 साल से नीचे, छह माह से राशन नहीं उठाने और दोहरा लाभ ले रहे लाभुकों के राशन कार्ड निरस्त हुए हैं।

जिन लाभुकों का राशन कार्ड निरस्त किया गया है, वे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आच्छादित हैं। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, अयोग्य कार्ड धारक निरस्त होने के बाद एनएफएसए में अब तक 3,17,575 राशन कार्ड क्रिएट हो चुके हैं। यानी भविष्य में इसमें योग्य लाभुकों को जोड़ा जाएगा।

सबसे ज्यादा निरस्त कार्ड ऐसे हैं, जिनके नाम से बने लाभुकों की मृत्यु हो चुकी है। इसमें कुल 2.54 लाख (2,54,887) में से 1.44 लाख (1,44,567) यानी 57 % कार्ड रद्द हुए है। वहीं, चल रही

जांच में कुल 5,489 कार्ड के प्रमुख जीवित पाए गए हैं। हालांकि विभाग दोबारा इसकी जांच करा रहा है। शेष 1.04 लाख (1,04,831) की जांच होनी बाकी है। इस कैटेगरी में सबसे अधिक धनबाद से 12,561, दुमका से 11,581, रांची से 11,169 और पूर्वी सिंहभूम से 9,038 कार्ड निरस्त हुए हैं।

100 साल से ऊपर और 18 साल से नीचे के प्रमुख वाले 1,67,504 कार्ड में से 8381 (5.0 %) निरस्त हुए हैं। पीडीएस कंट्रोल ऑर्डर कहता है कि राशन कार्ड परिवार की महिला प्रमुख के नाम से ही बनेगा, लेकिन उसकी आयु 18 साल से ऊपर की होनी चाहिए।

छह माह से राशन का उठाव नहीं करने वाले 8,02,685 कार्ड में से 97,867 कार्ड (12.19 %) रद्द हुए।

दोहरा लाभ ले रहे कुल 2,00,716 में से 7,529 (3.75 %) कार्ड रद्द किए गए हैं। दोहरा लाभ का आशय है कि राष्ट्रीय राशन कार्ड पोर्टेबिलिटी योजना के तहत लाभुक एक ही आधार कार्ड पर या तो राज्य के अंदर के दो जिलों में या झारखंड एवं अन्य राज्यों (राजस्थान, उत्तर प्रदेश) से राशन का उठाव कर रहे हैं। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सीधे-सीधे राशन कार्ड से जुड़ी है। योजना में 2500 रुपए का आर्थिक लाभ वर्ष 18 से 50 साल की उन्हीं महिलाओं को मिलता है, जिसका नाम कार्ड में जुड़ा है। ऐसे में रद्द हुए 2,58,344 राशन कार्ड से जहां कई महिला लाभुक मंईयां योजना से बाहर हो सकती है, वहीं, क्रिएट 3,17,575 राशन कार्ड जब नए लाभुकों का बनता है, तो उसमें शामिल हुई योग्य महिला लाभुक मंईयां योजना के लिए आवेदन कर पाएंगी।

जल, जंगल व जमीन की लड़ाई के महानायक

आदिवासी राजनीति के स्तंभ पुरुष शिबू सोरेन

संवाददाता

रांची : झारखंड की राजनीति के सबसे बड़े चेहरे और झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अगुआ शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 साल के थे। उनके निधन की खबर से झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। लोग उन्हें प्यार से गुरुजी कहकर बुलाते थे।

नेमरा गांव में हुआ था जन्मः शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि एक आंदोलनकारी थे जिन्होंने आदिवासी समाज के हक और सम्मान के लिए पूरी जिंदगी संघर्ष किया। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को झारखंड के रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने देखा कि कैसे आदिवासी समाज के लोगों का शोषण होता है। इसी अन्याय के खिलाफ उन्होंने 1960 के दशक में आवाज उठानी शुरू की।

जल, जंगल और जमीन के हक में शुरू किया आंदोलनः

1970 के दशक में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। उनका मुख्य मकसद अलग झारखंड राज्य बनवाना था। इसके लिए उन्होंने जल, जंगल और जमीन के हक में आंदोलन शुरू किया। 1980 में शिबू सोरेन पहली बार लोकसभा सांसद बने। इसके बाद वे कई बार सांसद बने और संसद में आदिवासी समाज की समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया। शिबू सोरेन की मेहनत और आंदोलन के कारण ही साल 2000 में झारखंड को बिहार से अलग कर-के एक नया राज्य बनाया गया। यह राज्य 15 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आया। शिबू सोरेन की पहचान सिर्फ एक राजनेता के रूप में नहीं, बल्कि एक जननायक के रूप में रही है जिन्होंने आदिवासी अस्मिता को पहचान दिलाई।

तीन बार बने मुख्यमंत्रीः शिबू सोरेन तीन बार (2005, 2008 और 2009) झारखंड के मुख्यमंत्री बने। उनके कार्यकाल के दौरान आदिवासी कल्याण योजनाओं और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया, हालांकि राजनीतिक अस्थिरता के कारण ये कार्यकाल लंबे समय तक नहीं चल सके। उनके राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। भ्रष्टाचार और हत्या जैसे गंभीर आरोप भी लगे, हालांकि कई मामलों में वे अदालत से बरी भी हुए। इसके बावजूद वे झारखंड की राजनीति में एक मजबूत जननेता के रूप में पहचाने जाते हैं। शिबू सोरेन, जिन्हें लोग स्नेहपूर्वक गुरुजी कहते हैं, ने अपना पूरा जीवन आदिवासी अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई को समर्पित कर दिया। उनका जन्म 11 जनवरी 1944 को तत्कालीन बिहार (अब झारखंड) के बोकारो जिले के नेमरा गांव में हुआ। बचपन से ही उन्होंने आदिवासी समाज पर हो रहे शोषण और जमीन छीने जाने की घटनाओं को नजदीक से देखा। 1970 के दशक में उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आंदोलन शुरू किया और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य अलग झारखंड राज्य की मांग को मजबूती देना और आदिवासी समाज को राजनीतिक पहचान दिलाना था। 1980 में वे पहली बार लोकसभा सदस्य बने और इसके बाद कई बार संसद में आदिवासी समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाया। उनके निरंतर प्रयासों और लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को झारखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया।

राज्य गठन के बाद उन्होंने तीन बार मुख्यमंत्री पद संभाला। हालांकि गठबंधन राजनीति और अस्थिर समीकरणों के कारण वे लंबे समय तक पद पर नहीं रह सके, फिर भी उन्होंने आदिवासी कल्याण, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की। आज शिबू सोरेन को झारखंड में आदिवासी समाज के बड़े नेता और अलग राज्य आंदोलन के अग्रदूत के रूप में याद किया जाता है। उनकी राजनीतिक विरासत झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और आत्मसम्मान की कहानी कहती है।

गुरुजी हमारे आंदोलन के प्रणेता : देवेंद्रनाथ महतो

संवाददाता

मुरीः राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने मोर्चा शोक व्यक्त किया ह। उन्होंने कहा कि गुरु जी हमारे आन्दोलन के प्रेणेता रहे। इससे राज्य समेत पूरे देश में शोक का वातावरण बना हुआ है। देवेंद्रनाथ महतो ने सोशल हैंडल पर पोस्ट जारी करते हुए गहरा दुःख व्यक्त किया।

मीडिया वार्ता में श्री महतो ने कहा कि '60 40 नाय चलतो' आंदोलन के दौरान लिखित ज्ञापन दिया था। और हमने गुरु जी से साक्षात मुलाकात किया था। हमारे शिर पर हाथ रखते हुए उन्होंने आंदोलन की कई अहम जानकारियां हमें प्रदान किए थे। आज भी वह दिन हमें याद है। गुरु जी के विचारों को आत्मसाथ करते हुए राज्य के स्थानीय अधिकार हेतु आंदोलन के लिए कटिबध हूं।

बताते चलें कि पिछले कई दिनों से शिबू सोरेन को किडनी समेत शरीर के कई बीमारियों से निजात हेतु इलाजरत थे। आज उन्होंने अपना शरीर को त्याग दिया।

दिशोम गुरु का जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति : डॉ लंबोदर महतो

रांचीः आजसू पार्टी के केन्द्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुरू जी झारखंड आंदोलन के जनक के रूप में झारखंडी कला संस्कृति को अक्षुण रखने, महाजनी प्रथा के खिलाफ बिगुल फूकने वाले, जनजातीय समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने और शिक्षित समाज का निर्माण करने व झारखंडी अस्मिता की रक्षा करने के लिए सदैव याद किए जाते रहेंगे। गुरू जी बतौर लोकसभा सांसद,

राज्य सभा सदस्य, विधायक रहते हुए और केंद्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री के रूप में अपनी व्यापक और उल्लेखनीय पहचान बनायी थी। अभी गुरु जी को झारखंड की आवश्यकता थी। उनका मार्गदर्शन हम झारखंडियों के लिए जरूरी था। मगर उनका हम सबों के बीच से चला जाना अत्यंत दुःखदाई व पीड़ादायक है। यह झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। मेरा पहला मंचीय कार्यक्रम कसमार प्रखंड के हिसीम गाँव में गुरु जी के साथ मेरे छात्र जीवन में हुआ था जिसमें मेरे भाषण से प्रभावित होकर उन्होंने मुझे झारखंड आंदोलन तथा राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया था। मैं गोला बीडीओ के रूप में उनके बहुत नजदीक आया और एक तरह से उनका पारिवारिक सदस्य बन गया। मेरा ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस दुःख को सहन की शक्ति प्रदान करें।

एक युग का अंत है दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जाना

- शिबू सोरेन केवल एक व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा थे
- झारखंड की मिट्टी और झारखंडी समाज आपको हमेशा याद रखेगा

विजय शंकर नायक

श्रद्धांजलि

रांचीः झारखंड की मिट्टी का वह सपूत, जिसने दलित आदिवासी मूलवासी समाज की आवाज को न केवल बुलंद किया, बल्कि उसे एक नई पहचान दी, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब हमारे बीच नहीं हैं। उनकी असमायिक मृत्यु ने न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश को शोक में डुबो दिया है। शिबू सोरेन का जीवन केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे क्रांतिकारी की गाथा है, जिसने अपने लोगों के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। यह लेख उनकी अनकही कहानियों, उनके अनछुए पहलुओं, और उनकी अमर विरासत को समर्पित है।

एक साधारण जीवन, असाधारण सपनेः 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन गरीबी और अभावों से भरा था। उनके पिता, सोबरन मांझी, एक सामाजिक कार्यकर्ता थे, जिन्होंने आदिवासियों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। 1957 में उनके पिता की हत्या ने 13 वर्षीय शिबू के जीवन को बदल दिया। यह त्रासदी उनके लिए एक टर्निंग पॉइंट थी, जिसने उन्हें स्कूल छोड़कर सामाजिक न्याय की लड़ाई में कूदने को मजबूर किया।

अनछुआ पहलूः कम लोग जानते हैं कि शिबू सोरेन ने अपनी युवावस्था में कविताएँ लिखी थीं। ये कविताएँ आदिवासी संस्कृति, प्रकृति, और शोषण के खिलाफ विद्रोह की भावना से भरी थीं। उनकी एक कविता की पंक्तियाँ थींः

जंगल हमारा, जमीन हमारी, फिर क्यूँ भटके हम बेगाने?

हक छीन लो, उठो मेरे भाई, बनो अपने भाग्य के विधाता।

ये पंक्तियाँ बाद में धनकटनी आंदोलन का आधार बनीं, जिसमें आदिवासी युवाओं ने महाजनों के खेतों से जबरन धान काटकर अपनी जमीन और सम्मान की रक्षा की।

धनकटनी आंदोलनः विद्रोह का पहला स्वर : 1960 के दशक में शिबू सोरेन ने धनकटनी आंदोलन शुरू किया, जो आदिवासियों के आर्थिक शोषण के खिलाफ एक सशक्त विद्रोह था। तीर-धनुष से लैस युवा, शिबू के नेतृत्व में, सूदखोरों और जमींदारों के खेतों से फसल काटकर लाते थे। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक अस्मिता की रक्षा का प्रतीक था।

इस आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन ने गाँव-गाँव में सांस्कृतिक जागरण सभाएं आयोजित कीं, जहाँ आदिवासी लोकगीत, नृत्य, और कहानियों के माध्यम से युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ा गया। वे मानते थे कि बिना सांस्कृतिक जागरूकता के कोई भी आंदोलन अधूरा है। इन सभाओं में वे खुद ढोल-मांदर बजाते और आदिवासी गीत गाते थे, जिससे युवाओं में जोश और एकता की भावना जागृत होती थी।

झारखंड मुक्ति मोर्चाः एक विचारधारा का जन्म 1970 के दशक में शिबू सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। उनका सपना था एक ऐसा झारखंड, जहाँ आदिवासी और मूलवासी अपने हक और सम्मान के साथ जी सकें। अलग झारखंड राज्य की मांग को उन्होंने जन-जन तक पहुँचाया। यह लड़ाई आसान नहीं थी। असंख्य कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, और शिबू सोरेन स्वयं कई बार जेल गए। 2000 में जब झारखंड राज्य बना, तो यह उनकी दृढ़ता और बलिदान का परिणाम था।

शिबू सोरेन ने झामुमो के शुरूआती दिनों में एक पंचायत पत्रिका शुरू की थी, जो स्थानीय भाषाओं में छपती थी। इस पत्रिका में आदिवासियों के अधिकार, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर लेख प्रकाशित होते थे। यह पत्रिका गाँवों में मुफ्त बाँटी जाती थी, ताकि साक्षरता और जागरूकता बढ़े। इस पहल को उन्होंने अपने निजी खर्च से चलाया, जो उनकी दूरदृष्टि को दर्शाता है।

मानवीय संवेदनशीलताः एक सच्चा जननायक शिबू सोरेन की छवि एक कठोर और दृढ़ नेता की रही, लेकिन उनके करीबी जानते थे कि वे कितने संवेदनशील थे। वे रातों को गाँवों में घूमते, लोगों की समस्याएँ सुनते, और उनके साथ बैठकर चूल्हे पर बनी रोटी खाते। उनकी सादगी ऐसी थी कि केंद्रीय कोयला मंत्री रहते हुए भी वे सादा खाना और साधारण वस्त्र पसंद करते थे।

अनछुआ पहलूः शिबू सोरेन ने गुप्त रूप से कई आदिवासी बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाया। उनके एक सहयोगी ने बताया कि वे अक्सर गाँव के स्कूलों में जाकर शिक्षकों से मुलाकात करते और बच्चों को किताबें वितरित करते थे। वे कहते थे, शिक्षा ही वह हथियार है, जो हमें शोषण से मुक्ति दिलाएगा। उनकी इस पहल के बारे में वे कभी सार्वजनिक रूप से नहीं बोले, क्योंकि वे मानते थे कि सेवा का कोई प्रचार नहीं होना चाहिए।

परिवार और व्यक्तिगत बलिदानः शिबू सोरेन की पत्नी, रूपी सोरेन, उनकी सबसे बड़ी ताकत थीं। उन्होंने आंदोलनों में शिबू का साथ दिया, लेकिन हमेशा पर्दे के पीछे रहीं। उनके बच्चों, विशेष रूप से हेमंत सोरेन, को उन्होंने हमेशा सिखाया कि सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण जनसेवा है।

शिबू सोरेन ने अपने परिवार को कभी भी राजनीति में प्रमुखता नहीं लेने दी। उनके बड़े बेटे, दुर्गा सोरेन, की मृत्यु (2009) ने उन्हें गहरा आघात पहुँचाया, लेकिन उन्होंने इस दुख को सार्वजनिक रूप से कभी व्यक्त नहीं किया। उनके करीबी बताते हैं कि वे अक्सर रात में अकेले बैठकर अपने बेटे की तस्वीर देखते और चुपके से आँसू बहाते थे। यह उनकी निजी जिंदगी का वह पहलू था, जो जनता से हमेशा छिपा रहा।

विवादों का सामना और अटल विश्वासः शिबू सोरेन का जीवन विवादों से मुक्त नहीं रहा। 2004 में चिरूडीह कांड और अन्य आरोपों ने उनकी छवि को प्रभावित किया। उन्हें केंद्रीय कोयला मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा, और कई बार कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा। लेकिन उनके समर्थकों का मानना था कि ये आरोप उनकी लोकप्रियता को कम करने की साजिश थे। इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, शिबू सोरेन ने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया।

विवादों के दौरान शिबू सोरेन ने एक डायरी लिखी, जिसमें उन्होंने अपने विचार और दुख व्यक्त किए। इस डायरी में उन्होंने लिखा, सच्चाई का रास्ता कठिन होता है, लेकिन वह हमेशा जीतता है। यह डायरी उनके परिवार के पास सुरक्षित है और उनके निजी विचारों का एक अनमोल दस्तावेज है।

अंतिम दिन और शोक की लहर

2025 में शिबू सोरेन की तबीयत बिगड़ने की खबरों ने उनके समर्थकों को चिंतित कर दिया। फरवरी में सांस की तकलीफ और जून में किडनी की गंभीर समस्या के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, और कई नेताओं ने उनका हालचाल लिया। उनकी (मृत्यु) ने पूरे देश में शोक की लहर दौड़ा दी।

अमर विरासतः शिबू सोरेन केवल एक व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा थे। उनके बेटे हेमंत सोरेन ने कहा, गुरुजी ने हमें सिखाया कि सच्चाई और संघर्ष ही जीत का रास्ता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और अलग झारखंड राज्य उनकी सबसे बड़ी देन हैं। उनकी मृत्यु ने लाखों लोगों को उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी है।

शिबू सोरेन के निधन पर समाजसेवी खालिद उमर ने जताया शोक

रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी समुदाय के प्रमुख नेता शिबू सोरेन के निधन पर समाजसेवी खालिद उमर ने गहरा दुःख और संवेदना व्यक्त की है। खालिद उमर ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा थे। उन्होंने न केवल आदिवासी अधिकारों की लड़ाई लड़ी, बल्कि झारखंड को एक अलग राज्य के रूप में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनका निधन सिर्फ एक राजनीतिक हस्ती का अंत नहीं, बल्कि एक युग का अंत है।

उन्होंने आगे कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, सादगी और प्रतिबद्धता की मिसाल है। झारखंड के लोग उन्हें हमेशा सम्मान और श्रद्धा से याद करेंगे। खालिद उमर ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकसंतप्त परिजनों और उनके अनुयायियों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

बदला रांची का मौसम, तापमान में आयी गिरावट

रांची : राजधानी रांची में मौसम ने अचानक करवट ले लिया है। मौसम विभाग के अनुसार रांची का अधिकतम तापमान 1.4 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट के साथ 28.4 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री की कमी के साथ 23.6 डिग्री सेंटीग्रेड रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक है।

4 अगस्त को हल्की से मध्यम बारिश का अनुमानः विभाग के अनुसार सोमवार (4 अगस्त 2025) को रांची और आसपास के इलाकों में आसमान में बादल छाए रहेंगे। दिन में एक या दो बार हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री तक पहुंच सकता है।

बंगाल की खाड़ी का निम्न दबाव क्षेत्र प्रभावीः मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र झारखंड पर असर डाल रहा है। मानसून ट्रफ बिहार के छपरा से होकर गुजर रहा है, जिसका प्रभाव 15 अगस्त तक झारखंड में बना रहेगा। इस दौरान भारी बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। रांची में अब तक 992 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, और नमी के कारण रात में ठंड बढ़ गई है।

10 जिलों में येलो अलर्ट जारीः मौसम विभाग ने सोमवार के लिए पलामू, लातेहार, गढ़वा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और दुमका में येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। किसानों को खेतों में सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

आने वाले दिनों का पूवार्नुमानः मौसम विभाग के अनुसार अगले दो हफ्तों तक झारखंड में बारिश और ठंड का मौसम बना रहेगा।

सर्व धर्म सद्भावना समिति ने डेली मार्केट थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी का किया स्वागत

रांचीः सर्व धर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो.इस्लाम एवं सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान के संयुक्त नेतृत्व में डेली मार्केट थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह का शाल ओढ़ाकर,बुके देकर एवं पगड़ी बांध कर स्वागत किया । साथ ही उक्त क्षेत्र के जन समस्याओं से अवगत कराते हुए उनसे प्रशासनिक स्तर पर सहयोग की अपील की गयी। डेली मार्केट थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि जनहित एवं समाज हित के लिए प्रशासनिक स्तर पर उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। स्वागत करने वालों में सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान, परवेज आलम,मो. नौशाद,राफे कमाल, फिरोज अंसारी, जसीम हसन,मो.रईस, अब्दुल्लाह, इनायतुल्लाह, सुहैल खान, हबीबुल्लाह,मो. नसीम, प्रदीप राय बाबू, जीतेन्द्र गुप्ता,मोख्तारुल हसन,मो. आसिफ सहित अनेक गणमान्य लोग मुख्य रूप से शामिल थे।

छलका पुल के ऊपर बह रहा पानी,ग्रामीणों को परेशानी

मांडर : प्रखंड के बसकी व मसमानो गांव के ग्रामीणों को बसकी नदी पर बने छलका पुल से आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। बारिश के कारण छलका पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। जिससे दोनों गांव के ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय, स्कूल, कॉलेज, बाजार व हाट, अस्पताल और एनएच से कट जाते हैं। प्रखंड मुख्यालय व दोनों गांव को जोड़नेवाली यह एकमात्र सड़क है। ग्रामीणों को एक-दूसरी ओर आनेजाने के लिए बारिश बंद होने व छलका पुल से पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर मुसलमानों ने कांवरियों का किया भव्य स्वागत

रांचीः सावन की अंतिम सोमवारी पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवरियों को चाय -पानी पिलाकर उनका भव्य स्वागत किया। कर्बला चौक में कर्बला चौक दुकानदार समिति ,सेंट्रल मोहर्रम कमेटी रांची , सर्वधर्म सद्भावना समिति के तत्वावधान में आयोजित सद्भावना शिविर में भाग लेते हुए एसडीएम रांची उत्कर्ष कुमार एवं सिटी डीएसपी के बी रमन ने शिविर मैं शामिल लोगों की सराहना करते हुए कहा कि रांची वासी सद्भावना के अद्भुत मिसाल हैं। उन्होंने आगे कहा कि रांची वासी एकता एवं भाईचारे के लिए काम करते हुए सदा इतिहास बनाने का काम किया है इसे बरकरार रखने की जरूरत है। अपने काफी व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद भी सिटी एसपी रांची अजीत कुमार ने शिविर में भाग लेने वाले सर्वधर्म के लोगों की काफी सराहना की एवं अपनी शुभकामनाएं भी दी। लोअर बाजार थाना प्रभारी रणविजय शर्मा, कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो, हिन्दपीढ़ी

थाना प्रभारी सुनील कुमार साहू एवं डेली मार्केट थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह भी सद्भावना शिविर में भाग लेते हुए शिविर में शामिल तमाम लोगों की सराहना करते हुए कहा कि सर्वधर्म के लोग एकता एवं भाईचारे के लिए जो कार्य कर रहे हैं वह अद्भुत है, इनसे दूसरे जगह के लोगों की सीख लेनी चाहिए एवं एकता एवं भाईचारे पर आधारित कार्य के लिए विशेष कर युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है। जनहित एवं समाज हित में उन्होंने हर संभव प्रशासनिक स्तर पर अपने पूर्ण सहयोग देने की बात कही। चर्च रोड दुकानदार समिति के अध्यक्ष हाजी माशूक,श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जयसिंह यादव, सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम एवं सेंट्रल मुहर्रम कमिटी के महासचिव अकीलुर्रहमान ने कहा कि आपसी सौहार्द के लिए पिछले कई दशक से उनके पूर्वजों ने जो कार्य किया है उसके मार्ग पर चलते हुए हम सभी एकता एवं भाईचारे के लिए काम करते हुए अपने कर्तव्य को निभा रहे हैं एवं आगे भी इसे हम सभी मिलकर बरकरार रखेंगे। कार्यक्रम में हाजी माशूक, जयसिंह यादव,मो. इसलाम, अकीलुर्रहमान, साहेब अली,दीपक ओझा,मो.खुर्शीद, परवेज आलम, अब्दुल खालिक नन्हू,जसीम हसन,मो.रईस,

शहनवाज,मो.तबारेज आलम,मो. इनायतुल्लाह, अब्दुल्लाह, जीतेन्द्र गुप्ता,भीम श्रीवास्तव,डा. ओम प्रकाश मिश्रा,मो. फैयाज,सरफराज सुड्डू, तौफीक कुरैशी, बंटी सिंह,एकरामा कलाम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। उक्त अवसर पर तायनात मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार ने भी शिविर में शामिल लोगों की सराहना की।

सफायर रेसीडेंसी अपार्टमेंट मे आयोजित सावन महोत्सव में जमकर थिरकी महिलाएं

रांचीः बहु बाजार स्थित सफायर रेसीडेंसी अपार्टमेंट में सावन महोत्सव मिलन समारोह बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। सावन महोत्सव मे रंगारंग नृत्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने सावन के मनमोहक गीत गाए तथा गीतों पर जमकर ठुमके लगाते हुए डांस किया। सभी महिलाएं आकर्षक रंग-बिरंगे परिधान एवं साजो श्रृंगार एवं हाथों में मेहंदी रचाए हुए सावन मिलन मे आई थी। सबों ने झूला झूलकर खूब मस्ती की। तथा कार्यक्रम मे विभिन्न प्रकार के रोचक गेम्स खेलते हुए लजीज व्यंजनों का भी खूब आनंद लिया। इस अवसर पर-अध्यक्ष प्रियंका कुमारी, सचिव अनु कुमारी, सरिका ठाकुर,जूली शंकर,संतोषी मुरारका, किरण सिंह, उमा, नूतन, पुष्पा भगत, सोनी,नीतू दास, चंदा, रितु, लिली ठाकुर, ममता ठाकुर, अनुपमा, काजल, रेणुका, आशा, संगीता, सुमित्रा, वीणा, मीना के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

लाडली बहनों का बोझ

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना सरकार पर ह्यबोझह्ल बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने ह्यलाडली बहनह्ल योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह ह्यकवायदह्ल और ह्यसर्कसह्ल सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले ह्यलाडलीह्ल रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने ह्यहम पूछेंगे और देखेंगेह्ल वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह ह्यगलतीह्ल हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच नाराजगी के रूप में मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंष्ठची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंष्ठची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी ह्यगोलीह्ल देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की ह्यलाडलीह्ल रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए गले की हड्डी जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले ह्यआरोपियोंह्ल को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी ह्यफरारह्ल हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जवान शहीद हुए थे।

हलधर नाग और संबलपुरी समाज

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है–हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी।

गौरव अवस्थी

कवि या साहित्यकार को सुनकर वाह-वाह और तालियां बजाते तो हम सब सुनते ही हैं। यह अब व्यापार सा बन चुका है या मार्केटिंग का खेल। असली सम्मान वह है जब मंत्री से लेकर संत्री तक बोलें और सामने की पंक्ति में श्रोता के रूप में साहित्यकार सुने। अपने जीवन पर। अपने काम पर। अपने साहित्य पर। अपनी कविता पर। ऐसा हमने पिछले दिनों बरगढ़ (ओड़िशा) में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में प्रत्यक्ष देखा-सुना। मंत्री के उद्बोधन में। संस्था के संबोधन में। विद्वानों के व्याख्यान में। चित्र में। चरित्र में। नृत्य में। नाटक में। गायन में।2 दिन। 20 घंटे। 5 सत्र। 25 वक्ता। 5 संचालक। 11 साँस्कृतिक कार्यक्रम। सेमिनार के शुभारंभ पर कविजी की कविता- ' ई माटीर पानी पवनरे..' गीत के सस्वर गायन को सुनना अद्भुत था। अछूत शबरी पर केंद्रित 'अछिया' काव्य पर आदिवासी बच्चियों की भावपूर्ण प्रस्तुति हो या कविजी के जीवन पर आधारित लघु नाटिका। सब दिल जीत। क्षेत्र के संगीता के मानते हैं, कोसली में लिखी उनकी कविताएं राग के मानकों पर भी फिट हैं। कविताओं की रागमयी प्रस्तुति को 'हलधर संगीत' ही कहा जाता है।सभागार के प्रवेश द्वार पर दोनों तरफ चार दर्जन से अधिक विभिन्न मुद्राओं वाले हाथ से बने स्कैच या फोटो देखना एक अलग 'लोक' का अनुभव जैसा था। ऐसा हमने 2 साल पहले सिर्फ 'प्रभाष प्रसंग' में देश के श्रेष्ठ पत्रकार-संपादक प्रभाष जोशी के संबंध में चित्तौड़ में ही देखा था। सब-के-सब उस साहित्यकार को समर्पित, जिसे दुनिया 'लोक कविरत्न' के रूप में जानती-मानती-पहचानती है। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है-हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी। एक दृश्य देख लीजिए-' 28 जून को सुबह 10 बजे सेमिनार का शुभारंभ था। रात से शुरू हुई वर्षा आयोजन प्रारंभ होने के एक घंटे पहले तक जारी थी। इस बारिश के बीच ही नंगे पैर धोती-बनियान पहने और अपनी कुछ पुस्तकों का झोला खुद हाथ में थामे हलधर नाग दिखाई देते हैं। चेहरे पर किसी से कोई सम्मान की चाहत न चरित्र में, लेकिन संस्थान के संत्री हो या अन्य मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता-साहित्यकार, सब पैर छूकर आशीर्वाद लेने को लालायित। मैं खुद भी उसमें शामिल हो गया। क्यों? के जवाब में बस इतना कह सकता हूं, यह पदक की चमक पर नहीं, सादगी के सम्मान में।

यह होता है लोककवि का लालित्य। जहां हर कोई स्वयं ही श्रद्धावनत हो। हर कोई उनसे मिलने-बतियाने और सेल्फी लेने को बेताब! 'लोक' की बात करने या लिखने भर से कोई लोककवि नहीं होता। इसके लिए लोक से जुड़ना भी होता है। हलधर नाग लोक की बात जितना लिखते हैं, उससे ज्यादा लोक में विचरते हैं। लोक से जुड़ते हैं। लोक के साथ चलते हैं। अपनी लोक कविताओं से तो हलधर नाग कोसल प्रदेश में लोकप्रिय हैं ही। बाहरी दुनिया से हलधर नाग को परिचित कराने वाले अभिमन्यु साहित्य संसद के संस्थापक अशोक कुमार पूजाहारी का कम योगदान नहीं। हिंदी समाज में उनके साहित्य को विस्तार देने में अनुवादक दिनेश कुमार माली की महती भूमिका है। इस आयोजन की सूत्रधार भी उन्हीं की संस्था 'अभिमन्यु साहित्य संसद' थी। सहयोगी भूमिका में कृष्णा विकास संस्थान। 31 मार्च 1950 को बरगढ़ के ऐतिहासिक घेंस गांव में जन्मे हलधर नाग का लोक साहित्य दुनिया के तमाम देशों में शोध का विषय है। आर्थिक अभावों से स्कूली शिक्षा से वंचित रहने वाले पद्मश्री हलधर नाग संबलपुर की अधिष्ठात्री देवी माँ समलेई, भगवान राम और श्रीकृष्ण के अतिरिक्त रामकथा में उपेक्षित मिथकीय पात्र महासती उर्मिला एवं अछूत शबरी पर 'अछिया' नामक महाकाव्य लिखकर अपने जीवित रहते ही अमर हो चुके हैं। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को उपेक्षित उर्मिला पर साकेत महाकाव्य लिखने की प्रेरणा दी, उन्हीं पर हलधर नाग ने स्वप्रेरणा से 'महासती उर्मिला' महाकाव्य का प्रणयन किया।

प्रकृति से सीधा तादातम्य रखने वाले हलधर नाग की पहली कविता है-' ढाड़ो बरगाछ'। हिंदी में इसे कहा जाएगा - 'बूढ़ा बरगद'। बरगद का यह पेड़ आज भी उनके संग्रहालय के सामने है। रात ही सही, कविता के बहाने चर्चा में आ चुके इस विशाल बरगद के नीचे कुछ देर सांस लेने का मौका इन पंक्तियों के लेखक को भी मयस्सर हुआ। 1990 में लेखन की दुनिया में कदम रखने वाले हलधर नाग अब तक दो दर्जन से अधिक काव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य रच चुके हैं। 25-30 व्याखान भी कम से कम हमें हलधर नाग का साहित्य संसार समेट पाने में समर्थ प्रतीत नहीं हुए। बाकी का भगवान जानें। लोक कविरत्न कालीभक्त हैं। उन्होंने अपने संग्रहालय के सामने काली माँ का छोटा सा मंदिर भी निर्मित कराया है। कहते हैं, विशेष वाद्य यंत्र बजाकर भक्ति में डूबने के बाद मां समलेई कविजी को कान में कुछ फुसफुसाती हैं और उनके अंतस से सरस्वती की सहस्त्रधारा स्फुटित होने लगती है। उनके कार्यस्थल पर बने छोटे-से संग्रहालय की दीवारों पर सजे सैकडों उपहार, सम्मान एवं प्रमाणपत्र 'लोक सम्मान' की प्रत्यक्ष गवाही देते हैं। संग्रहालय में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास-रायबरेली द्वारा वर्ष 2022 में प्रदान किया गया 'डॉ राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मानपत्र' भी सुशोभित है। इसे देखना अपने में एक नए अनुभव से गुजरना है। इसी संग्रहालय के एक किनारे छोटे से स्थान पर कविजी का एक तखत बिछा है। इसी पर गृहस्थ हलधर नाग की रातें बीतती-कटती हैं। हलधर नाग का नंगे पैर रहने के पीछे तर्क है-'माँ की गोद में चप्पल पहनकर कौन बैठता है? मां के सीधे स्पर्श से ऊर्जा और शक्ति प्राप्त होती है'। हलधर नाग केवल इसलिए बड़े नहीं है कि उन्हें 'पद्मश्री' प्राप्त है। इससे बड़ी है, उनकी सरलता-सहजता। उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह ओडिशा-छत्तीसगढ़ की सीमा पर आदिवासी बच्चों के लिए

ज्ञान से मित्रता

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, ह्लसूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। गीता की घोषणा है-नहि ज्ञानेन पवित्रमिह विद्यते। ऋग्वेद में ह्यज्ञानह्ल विषयक एक सूक्त (ऋ0 10.71) है। ह्यज्ञान यहां एक देवता हैं। ऋग्वेद के देवता अभिभूत करते हैं। यहां पशु-पक्षी भी देवता हैं। कृषि भी देवता है। साहस (मन्यु) भी देवता हैं। श्रद्धा और हाथ भी देवता है। जहां-जहां दिव्यता वहां-वहां देवता। वस्तुओं मनोभावों को देवता मानने की वैदिक शैली अनूठी है। यही परम्परा ट्रक चालक भी निभाते हैं। वह गाड़ी पर बैठते ही स्टीयरिंग को प्रणाम करता है, सिर झुकाता है चल देता है। लोग ऐसे कृत्यों पर हंसते हैं। हंसना जायज है। स्टियरिंग को प्रणाम करने का कोई तुक नहीं। लेकिन ऋग्वेद में नमस्कार भी देवता हैं। मूर्ति, स्टीयरिंग, किताब, पेड़ या नदी को किए गए नमस्कार का सीधा सम्बंध हमारी अंतश्चेतना से है। मूर्ति या स्टीयरिंग नमस्कार के भूखे नहीं है। वे इसका जवाब भी नहीं देते। लेकिन नमस्कार से हमारे मन और काया में रासायनिक परिवर्तन होते हैं। नमस्कार अंतःकरण को प्रीतिभाव से भरता है। सृष्टि के प्रारम्भ में कोई एक आदि तत्व या मूलभूत द्रव्य रहा होगा। उसी से भिन्न भिन्न पदार्थो का विकास हुआ। परम तत्व एक से अनेक रूपों में हो गया। ऋषि बताते हैं ह्लअग्रं यत्प्रैरत नामधेयं दधानाः-प्रारम्भिक स्थिति में विभिन्न पदार्थो का नामकरण ही ज्ञान का प्रथम सोपान बना। इनका शुद्ध ज्ञान अनुभूति में होता है और वह अंतः प्रेरणा से प्रकट होता है।ह्व (ऋ0 10.71.1) रूप देखकर नाम रखना, रूप के साथ नाम मिलाकर जानना ज्ञान की शुरूवात है। रूपों के भीतर छुपे गुण-धर्म का ज्ञान अनुभव से ही आता है। यहां अनुभव पर जोर है। जलती अग्नि या बहती हुई नदी दिखाई पड़ीं यह रूप था। नाम रखा गया अग्नि या नदी। रूप के साथ नाम याद रखना ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है। नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, ह्लसूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं। ऐसे सफल विद्वान की वाणी में लक्ष्मी का निवास होता हैह्व (वही, मन्त्र 2) भाषा ज्ञानी की वाणी में सरस्वती नहीं लक्ष्मी के निवास का रूपक है। वाणी स्वयं देवी है। वह स्वयं सरस्वती है। भाषा का ज्ञान अतिरिक्त समृद्धि है। इसलिए यहां लक्ष्मी का रूपक है। आगे कहते हैं ह्लज्ञानियों ने तत्वज्ञानियों के अंतःकरण में प्रविष्ट भाषा को प्राप्त किया। उसे प्रसारित किया।ह्व (वही, मन्त्र-3) ज्ञानी को तत्वज्ञानियों से भाषा संस्कार मिले। तब उनका प्रसार हुआ।माना जाता है कि जो प्रत्यक्ष है, वह सत्य है, वही ज्ञान है। ऋषि सतर्क करते हैं ह्लअनेक लोग देखकर भी ज्ञान नहीं पाते। अनेक लोग सुनकर भी ज्ञान नहीं पाते। लेकिन सुपात्र के सामने वाणी स्वयं ही अपना सत्य रूप प्रकट कर देती है।ह्व (वही, मन्त्र 4) पढ़कर लिख देना एक शैली है। लोग ऐसे लेखकों को विद्वान कहते हैं। सुना-सुनाया दोहरा देने वाले भी ज्ञानी जैसी प्रतिष्ठा पाते हैं लेकिन ऋषि कहते हैं, ह्लशाब्दिक भावों को ग्रहण करने और उन्हें दोबारा प्रकट करने वाले प्रशंसा पाते है परन्तु उनमें से भी बहुत ऐसे हैं जो भाषा का फल (अर्थ) और फूल (अभिप्राय) नहीं जानते, ऐसे लोग दूध रहित गाय दुहते हैं। वाणी के जरिए प्रपंच करते हैं।ह्व (वही मन्त्र 5) खास बात है अनुभव। अनुभूति ही ज्ञान को वास्तविक बताती है। ऋषि ज्ञान से मित्रता; को जरूरी बताते है ह्लजो सत्य ज्ञान की धारा से मित्रता त्याग देते हैं यस्ति त्याज सचिविदं सखायं-ज्ञान से सखा भाव नहीं रखते, उन्हें दिव्यवाणी (ज्ञान) में अपना हिस्सा नहीं मिलता।ह्व (वही-मन्त्र 6)

ऋग्वेद में एक समान ज्ञानी, एक समान श्रोत्रशक्ति सम्पन्न मेधावी भी एक समान नहीं बताये गये। कहते हैं ह्लदर्शन शक्ति सम्पन्न, श्रोत्रशक्ति सम्पन्न, एक समान ज्ञान से युक्त मित्र भी अनुभव जन्य ज्ञान में एक समान नहीं होते।ह्व (वही मन्त्र 7) साथ साथ रहने वाले, आपस में मित्र, एक ही विषय में एक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त विद्वान भी अनुभव भिन्नता के कारण एक समान नहीं हो सकते। सत्यबोध ही ज्ञान है। हम सबका इन्द्रिय बोध एक ही पदार्थ के रूप को भिन्न-भिन्न रूप में ग्रहण करता है। सत्य सदा सत्य है। सत्य त्रिकाल अबाधित होता है। भूत, भविष्य और वर्तमान उस पर प्रभाव नहीं डालते। अस्तित्व सत्य है। व्यक्त भी सत्य है पर समूचा व्यक्त भिन्न-भिन्न रूपों में विभाजित जान पड़ता है। रूप प्रत्यक्ष हैं, सत्य हैं। परिवर्तनशीलता भी सत्य है। रूप का अंतस–अव्यक्त सत्य है। अव्यक्त अरूप सदा एक है।

भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। उसे भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है। पुराणों में उसे अव्याख्येय बताते हुए बड़े दिलचस्प प्रतीक गढ़े गये कि समुद्र को स्याही और हिमालय को कलम बनाकर भी उसका वर्णन नहीं हो सकता। बड़े से बड़े द्रष्टा, कवि और देवता, आदि भी उसके सामर्थ्य का वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन ऋषियों ने उसे अनुभूति में जाना था। वे गद्गद् थे। परम उल्लास में थे। उल्लास से ही मंत्र काव्य फूटे, लेकिन विराट का वर्णन असंभव था।

विराट को समझना बड़ा कठिन है। प्रगाढ़ अनुभूति में उसका बोध हो भी जाए तो बोध को बताना और भी कठिन। पुराणों में गूंगे के स्वाद का प्रतीक इस्तेमाल हुआ है। स्वाद की मधुमयता का बखान गूंगा करे तो कैसे करे? अस्तित्व की अनुभूति का बखान और भी असंभव है। तुलसीदास ने गाया है ह्लएक दारूगत देखिय एकू/पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-एक अग्नि प्रत्यक्ष है, वही अग्नि गुप्त है, ब्रह्म भी ऐसा ही है, जो प्रत्यक्ष है वह ब्रह्म, जो अप्रत्यक्ष है वह भी ब्रह्म। व्यक्त प्रत्यक्ष हैं, अव्यक्त में वे एक है। ऋग्वेद (10.5.7) में कहते हैं, ह्लअसच्च सच्च परमें व्योमन-परम व्योम में सत असत दोनों हैं।ह्व सच्च/असच्च हमारी आंखे देखती हैं। इसे समझाने के लिए दो शब्दों का प्रयोग हुआ। असल बात परम व्योम है। मंत्रों के लिए कहते है ह्लऋचा अक्षर परम व्योमन-ऋचाएं/मंत्र परम व्योम में रहते है।ह्व अव्यक्त परब्रह्म जब व्यक्त प्रकट बनता है तब सत असत। सृष्टि का व्यक्त भाग ही इकाई में व्यक्ति है और भाषा में अभिव्यक्ति है। संसार में व्यक्त है अनंत में अव्यक्त और व्यक्त है।

ब्रह्म सम्पूर्णता का पर्यायवाची है। यह वेदांत दर्शन का प्रिय विषय है। ऋग्वेद में प्रकृति की तमाम शक्तियों को विभिन्न देवनाम दिए गये हैं। लेकिन मूल सत्य एकं सद् है। उपनिषदों में ऋग्वेद की एकंसद (एक ही सत्य) अनुभूति का विकास है। ऋग्वेद में उसे इन्द्र अग्नि और वरूण अदिति जैसे नाम दिए गये। उपनिषदों में उसे ब्रह्म, सच्चिदानंद, प्राण और ईश्वर जैसे अशरीरी/आधिभौतिक नामों से जाना गया। लेकिन नाम से क्या होता है? नाम रूप के साथ ज्ञान से मित्रता जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

ऊँ' लगाने से बढ़ जाती है मंत्र की शक्ति,

जब भी पूजा-पाठ के समय किसी भी मंत्र का जाप किया जाता है, तो इसकी शुरूआत 'ऊँ' से की जाती है। योग और ध्यान की विधि में भी 'ऊँ' का उच्चारण किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह एक शब्द क्या है। इसका इतना महत्व क्यों है और मंत्र की शुरूआत में 'ऊँ' लगाने से क्या लाभ मिलता है। अगर आपके मन में इसी तरह के सवाल हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 'ऊँ' के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं। 'ऊँ' शब्द तीन अक्षर अ, उ और म से मिलकर बना है। यह तीन अक्षर त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु और महेश को दशार्ते हैं। इसके अलावा यह तीन अक्षर रजो गुण, सतो गुण और तमो गुण का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। अ, उ और म यह तीन अक्षर सत, चित और आनंद है। साथ ही यह ब्रह्मांड की सबसे पहली ध्वनि और सृष्टि के उद्भव का प्रतीक होता है। इसका जाप करने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है और हिंदू धर्म के अलावा बौद्ध व सिख धर्म में भी इसके महत्व को स्वीकार किया गया है।

किसी भी मंत्र के आगे 'ऊँ' जुड़ने से मंत्र शक्तिशाली और शुद्ध हो जाता है। इसको बीज मंत्र भी कहा जाता है। साथ ही यह मंत्र जाप करने के समय किसी भी त्रुटि या दोष को दूर करने में सहायता करता है। इसके साथ ही यह एकाग्रता और ध्यान को बढ़ाने में भी मदद करता है। ऊँ का उच्चारण करने से मानसिक तनाव में कमी आती है।

कहां करना चाहिए उच्चारण

शांत वातावरण में ध्यान मुद्रा में बैठकर 'ऊँ' का जाप करना सही माना जाता है। इससे मानसिक शांति मिलती है और व्यक्ति का ध्यान भी केंद्रित होता है। इस दौरान गहरी सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए ओ से ऊ तक जोर लगाएं। फिर म का उच्चारण करने में ध्वनि धीमी और शांत होती जाएगी। सांसों और आवाज का उतार-चढ़ाव ही मन, आत्मा और बुद्धि को शांति देता है। वेदों की ऋचाएं और श्रुतियां भी इसके बिना अधूरी मानी जाती हैं। किसी भी मंत्र से पहले 'ऊँ' लगा देने से उसके फलित होने की शक्ति कई गुना तक बढ़ जाती है।

उच्चारण के लिए सही समय

बता दें कि 'ऊँ' का उच्चारण करने के लिए सही समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। इस समय ब्रह्मांड की ऊर्जा के साथ आप जल्दी जुड़ जाते हैं, लेकिन अगर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो सूर्योदय से पहले उठकर इसका उच्चारण करें। आप इसको दिन के किसी भी समय कर सकते हैं।

हालांकि दिन निकलने के साथ शोरगुल और मन में कई तरह की चिंताएं और तनाव हो सकता है। ऐसे में आप इस दौरान गहरे ध्यान में नहीं उतर सकें। रात में शांति होने के बाद भी आप 'ऊँ' का उच्चारण कर सकते हैं।

सेहत

नमक ही नहीं शरीर में पोटैशियम की कमी भी हो सकती है हाई बीपी की वजह

जैसे ही लोग 40 की उम्र पार करते हैं, वैसे ही अधिकतर लोग अपनी थाली से नमक कम कर देते हैं। साथ ही अचार, पापड़ और चिप्स जैसी चीजों से दूरी बना लेते हैं। लेकिन इसके बाद भी उनका ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं होता है। क्योंकि हमारी थाली में सिर्फ नमक ज्यादा नहीं है, बल्कि पोटैशियम बहुत कम है। इस कारण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की जो कहानी है, वह अधूरी रह जाती है। हालांकि इसको करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पोटैशियम की सही डोज क्या है और इसको किस तरह से डाइट में शामिल करना चाहिए।पोटैशियम न सिर्फ एक्स्ट्रा नमक को यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। लेकिन यह आर्टरी की मांसपेशियों को भी शांत करता है। रिसर्च के मुताबिक अगर डेली पोटैशियम 3.5 ग्राम से ज्यादा हो जाए, तो सिस्टोलिक बीपी में 4-6 लॅ तक की गिरावट आ सकती है। यह उतना ही होता है, जितना शुरूआती बीपी दवाओं से होता है। रोजाना सुबह 200' नारियल पानी या फिर 1 केला का सेवन करें। इन दोनों में ही 400 पोटैशियम होता है। नाश्ते में आप अंकुरित मूंग चाट खा सकते हैं। इसमें करीब 650 पोटैशियम और सिर्फ 400 सोडियम होता है। वहीं दोपहर के खाने में आप ऐसी सब्जियों को शामिल करें, जोकि पोटैशियम से भरपूर हों। शाम को स्नैक्स में आप चिप्स, पापड़ या भुजिया की जगह एक मुट्ठी बिना नमक वाली मूंगफली या उबले चने खा सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

बाबा बासुकीनाथ धाम सावन की अंतिम सोमवारी पर केसरिया रंग में रंगा

भक्ति, व्यवस्था और दर्शन की त्रयी का संगम

संवाददाता

बासुकीनाथ : सावन की अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम आज केसरिया आस्था से सराबोर हो गया। ₹हर हर महादेव₹ और ₹बोल बम₹ के गगनभेदी नारों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं की कतारें भक्ति की लय में थीं, और अर्घा के माध्यम से जलार्पण करते हुए हर भक्त शिवत्व की अनुभूति कर रहा था।

इस अवसर पर उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और संपूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम के माध्यम से मेला क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अलर्ट मोड में कार्यरत रहने का निर्देश देते हुए कहा झ

> ₹श्रद्धा के इस महासागर में अगर व्यवस्था की नाव डगमगाए नहीं, तो वही सच्ची सेवा है।₹

मेला क्षेत्र में सुरक्षाबलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध रूप से सहजता से दर्शन एवं जलार्पण में सहयोग कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक प्रबंधन किया गया है।

उपायुक्त द्वारा स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को संवेदनशील और सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम न केवल एक तीर्थ बन गया, बल्कि यह भी दर्शा गया कि जब शासन और श्रद्धा मिलकर चलते हैं, तो व्यवस्था भी भक्ति में बदल जाती है।

यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, समर्पण और सेवा का जीवंत उदाहरण बना। जैसे शिव सृष्टि के केंद्र हैं, वैसे ही यह आयोजन व्यवस्था और आस्था के संतुलन का केंद्र बन गया।

बालूगांव से कचहरी पुल तक मुख्य सड़क जर्जर, राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बालूगांव बाजार से ईदगाह होते हुए कचहरी पुल तक जाने वाली मुख्य सड़क इन दिनों जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है। गड्ढों से भरी इस सड़क पर चलना राहगीरों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है। क्षेत्र के ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं ने सड़क की बदहाली को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। जिला जदयू अध्यक्ष अफजाल अंसारी ने बताया कि यह मार्ग न सिर्फ आम लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है, बल्कि उत्क्रमित प्राथमिक उर्दू विद्यालय मनवारुल उलूम, ईदगाह, मदरसा, कोचिंग और बाजार से जुड़ा एकमात्र संपर्क मार्ग भी है। ईदगाह में नमाज पढ़ने वाले नमाजी और मदरसे के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। यार मोहम्मद टोला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सड़क जीवन रेखा के समान है। ग्रामीणों का कहना है कि अनजान व्यक्ति यदि इस मार्ग से गुजरता है, तो वह अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाता है। सड़क पर जगह-जगह गिट्टियां उखड़ी हुई हैं, गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे साइकिल, बाइक, ऑटो व ई-रिक्शा चालक दुर्घटना ग्रसित हो रहे हैं। वर्तमान में बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे जलजमाव की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। खासकर गर्भवती महिलाएं, बीमार मरीज और स्कूली छात्र-छात्राएं सबसे अधिक परेशान हैं। पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अब तक किसी भी जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक पदाधिकारी ने इस मार्ग की सुध नहीं ली है। क्षेत्र के किसान अपनी सब्जियां, व्यापारी अपना सामान और विद्यार्थी अपनी शिक्षा के लिए इसी रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। ग्रामीणों और राहगीरों ने जिला प्रशासन से शीघ्र अति शीघ्र सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि जानमाल की रक्षा की जा सके और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

सिविल सर्जन ने बाढ़ ग्रस्त इलाकों का किया दौरा

संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने रविवार को बाढ़ ग्रस्त सदर प्रखंड के दियारा इलाकों का भ्रमण किया।इस दौरान उन्होंने रामपुर दियारा, टोपरा,दुर्गास्थान,बड़ा रामपुर का मैराथन दौरा कर हालात का जायजा लिया।उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता कर उनके स्वास्थ्य और वहां मौजूद स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी ली।सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है। जीवन रक्षक दवाएं प्रयाप्त मात्रा में मौजूद हैं।किसी भी विकट परिस्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार है।उन्होंने लोगों से सुरक्षित इलाकों में शरण लेने की अपील भी की।इस दौरान चिकित्सकीय टीम ने ग्रामीणों की जांच भी की और आवश्यकता अनुसार उन्हें दवाई भी दी।मौके पर सदर सीएचसी प्रभारी डॉ महमूद आलम, डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि, एमपीडब्ल्यू,एएनएम, सहिया सहित कर्मी मौजूद थे.

चुहा मारने लोग 70 किलोमीटर दूर जाते हैं दुर्भाग्यपूर्ण है : संत घोष

संवाददाता

साहिबगंज : हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने प्रेस विज्ञप्ति कर जारी कहा की सोसल मिडिया तथा समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिला की चुहा मारने के लिए अपने घर से 70 किलोमीटर दूर महाराजपुर के गदाई दियारा जाता है जो कि साहिबगंज महाराजपुर में नाव से गंगा पार कर गदाई दियारा जाने के क्रम में गंगा नदी उफान पर रहने के कारण नाव पलट गई।जिससे कई लोग लापता हैं और सुचना मिली रही है। कि दो लोगों कि मौत हुई है कुछ अस्पताल में भर्ती भी है.उन्होंने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के बरहेट विधानसभा क्षेत्र के लोग आदिवासी बंधु

अपना जीवन जीने के लिए बीस साल पीछे कि जिंदगी में जी रहे हैं कि अभी भी जीवन यापन के लिए चूहा मार कर जिंदगी जी रहे हैं.उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से परिपूर्ण राज्य है और भारत के तीसरे स्थान पर धनी और विकसित झारखंड है और झारखंड में अबुआ सरकार है,आबुआ सरकार में भी हमारे संथाल परगना क्षेत्र के आदिवासी बंधु चूहा मुसा मारने की खोज में 70किलोमीटर दूर जा रहा है।उन्होंने कहा की अभी बाढ़ का समय है।गंगा नदी उफान पर है बाढ़ कि तैयारी तीन महीने पहले से चल रही थी तो महाराजपुर गंगा घाट पर नाव पर आवश्यकता से बहुत अधिक लोग सवार होने से उफनती गंगा में नाव असंतुलित हो गई और पलट गई।श्री घोष ने झारखंड सरकार से सवाल किया कि अभी भी आदीवासी बंधुओं मुख्य धारा में नहीं जुड़ पाए हैं अभी भी बीस साल पहले कि ज़िन्दगी में जीवन यापन कर रहे हैं उस मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाय।वही उन्होंने कहा की बाढ़ कि तैयारी तीन महीने पुर्व से चल रही थी।

डीसी ने किया आकांक्षा हाट का उद्घाटन

बासुकीनाथ : जरमुंडी प्रखंड मुख्यालय के समीप जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने रविवार को आकांक्षा ह ट का उद्घाटन किया.राजकीय श्रावणी मेले के अवसर पर बासुकीनाथ धाम स्थित मीडिया सेंटर के समीप आवासन केंद्र में ₹आकांक्षा हाट₹ का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को एक मंच प्रदान करना और ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाना है।

आकांक्षा हाट के तहत विभिन्न विभागों एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा पारंपरिक एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री हेतु आकर्षक स्टॉल लगाए गए।

इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने समूह की दीदियों द्वारा तैयार उत्पादों जैसे हस्तशिल्प, स्थानीय खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान, सजावटी सामग्री आदि की प्रशंसा की। दीदियों के आत्मविश्वास और मेहनत को सराहते हुए उपायुक्त ने उन्हें और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल स्थानीय संस्कृति और हुनर को पहचान मिलती है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। साथ ही यह मंच स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराता है।

आकांक्षा हाट₹ लोगों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बना है और मेले में आए श्रद्धालु व पर्यटक स्थानीय उत्पादों में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सराहनीय पहल है। मौके पर उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे.

कतारबद्ध जलार्पण के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा का रखें ख्यालः उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के चौथी और आखिरी सोमवारी को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने सम्पूर्ण मेला क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले रुटलाइन का निरीक्षण किया। इसके अलावे उपायुक्त ने नेहरू पार्क स्तिथ आईएमसीआर कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर मेला को लेकर की गई तैयारियों की वस्तुस्थिति का जायजा लिया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को मेला के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिया, ताकि श्रावणी मेला के दौरान चौबीसों घंटे कंट्रोल रूम एक्टिव मोड में कार्यरत रहें। इसके अलावे निरीक्षक के क्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने निरीक्षण कर रुटलाइन व मंदिर आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर किए गए विभिन्न कार्यों की जांच करते हुए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों को एक्टिव रहने के अलावा आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया, ताकि रुटलाइन में कतारबद्ध श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या या असुविधा न हो। साथ ही उपायुक्त ने निरीक्षण के क्रम में मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त अधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षाकर्मी को निर्देशित करते हुए कहा कक विनम्रता व भाव के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करें, ताकि बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर से श्रद्धालुओं एक सुखद अनुभूति लेकर प्रस्थान करें। आगे उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की टीम के साथ बरमसिया से सरकार भवन से बीएड कॉलेज, तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, बीएन झा पथ मोड़ शिवगंगा घाट, नेहरू पार्क, बाबा मंदिर व आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर किये गए विभिन्न इंतजामों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए।

न्यूज IN ब्रीफ

जड़ी बूटी दिवस पर बैठक का आयोजन

साहिबगंज : सोमवार को योग भवन साहिबगंज में पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान जिला शाखा-साहिबगंज के तरफ से आचार्य बालकृष्ण जी के शुभ जन्म दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जड़ी बूटी दिवस का भव्य आयोजन किया गया।उक्त अवसर पर प्रातः कालीन दैनिक योगाभ्यास-प्राणायाम के उपरांत जड़ी बूटी दिवस पर एक बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जड़ी बूटी दिवस पर विभिन्न वक्ताओं ने जड़ी बूटी दिवस के आयोजन के औचित्य और विभिन्न जड़ी बूटियों के संबंध में विशेष चर्चा की। भारत स्वाभिमान के अध्यक्ष श्री दीपक कुमार ने आचार्य बालकृष्णजी के जीवनी पर प्रकाश डाला। राजीव पांडेय ने जड़ी बूटी दिवस के महत्व मनुष्य के दैनिक दिनचर्या में स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक जड़ी बूटियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। श्री घनश्यामजी ने भी बालकृष्णजी के पूरे कार्यकाल एवं उनके द्वारा रचित पुस्तक जड़ी बूटी रहस्य नाम की पुस्तक को प्रत्येक घर में क्रय करके रखने की सलाह दी।बैठक के उपरांत सदस्य गणों के द्वारा जुटाए गए विभिन्न जड़ियों को घूम-घूम कर आम जनों के मध्य आवश्यकता अनुसार वितरित किया गया। कुछ जड़ी बूटियां का योग भवन परिसर में पौधरोपण किया गया। उक्त पूरे कार्यक्रम में संगठन के सक्रिय सदस्यगण श्री महेंद्र पासवान, श्री मुन्ना रविदास, श्री अजय तांती, श्री दिनेश राय, श्री राजकिशोर स्वर्णकार, श्री प्रमोद शर्मा, गौतम कुमार शाह ,अनिल सिंह ,रंजीत वर्मा, राघव सिंह, अशोक शाह एवं अन्य ने भाग लिया।

न्यायिक परिसर में चला स्वच्छता अभियान

साहिबगंज : प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश श्री अखिल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आज व्यवहार न्यायालय साहिबगंज परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत न्यायालय के विभिन्न कक्षों, प्रकोष्ठों कार्यालयों कॉरिडोर शौचालयों सार्वजनिक शौचालयों वं परिसर स्थित उपस्करों की गहन सफाई की गई।इस स्वच्छता अभियान में न्यायालय कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए न केवल परिसर की सफाई की बल्कि स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी और जागरूकता का भी परिचय दिया। उन्होंने स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा मानते हुए पूरे मनोयोग से परिसर में फैले कचरे को हटाया और एक स्वच्छ एवं सौंदर्यपूर्ण वातावरण की स्थापना की।न्यायालय परिसर की स्वच्छता न केवल एक अनुशासित और सकारात्मक वातावरण निर्मित करती है।बल्कि इससे न्यायिक कार्यों में भी दक्षता एवं प्रभावशीलता आती है। इस अभियान ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे और अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज, प्रखंड कार्यालय में हुई अहम बैठक

साहिबगंज/उधवा : जिला कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत रविवार को उधवा प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो० बादरुद्दोजा ने की। बैठक में बूथ गठन, पंचायत कमिटी गठन, बीएलए चयन तथा पार्टी की आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करें, जनता की समस्याओं को चिन्हित करें और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं। बैठक में जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी एवं मो० बदरुद्दीन, जिला सचिव मैनुल हक, प्रखंड उपाध्यक्ष महबूब आलम एवं हाफिज सईद अख्तर, राजमहल प्रखंड महासचिव सिफरन अख्तर,जिला सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर आरिफ आलम,चारों मंडल अध्यक्ष मो० मुरसालीम, खालेक शेख, मो० मुक्लेसुर और अब्दुल हन्नान,प्रखंड महासचिव प्रेम सरकार, हारून रशीद, गुफरान आलम, मजबुर रहमान, मजहर अली, आसरूल सेख, मुबारक सेख और जमील अख्तर उपस्थित थे।

आखिरी सोमवारी पर पूरा क्षेत्र बोल बम हर हर महादेव के जयकारे से गूंज रहा है

साहिबगंज : श्रावण मास के चतुर्थ सोमवारी के पावन अवसर पर तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मोतीझरना मोतीनाथ में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ी है। भक्तों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। वही शिवा भक्तों को कतारबद्ध करके जलार्पण कराने में तालझारी थाना की पुलिस लगी हुई है। महाराजपुर स्टेशन से मोतीझरना तक भगवामय हो गया है। पूरा क्षेत्र बोल बम हर हर महादेव के जयकारा से गूंज रहा है। जिला प्रशासन की ओर से मजिस्ट्रेड व पुलिस बल की तैनाती की गई है।वही बरहेट प्रखंड क्षेत्र स्थित शिवगादी मिनी बाबाधाम में भक्तों की भीड़ उमड़ी है। समिति सदस्य व प्रशासन के लोग भक्तों को जलार्पण कराने में लगे हुए है। मिनी बाबाधाम पूरी तरह से भगवामय हो गया है।

हर किरदार कुछ नया सबक देता है : कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है। फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है! उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है। मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं। कनिका को टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे। साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म 'बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म 'दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत बढ़ो बहू से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ तितली के किरदार में नजर आई थीं।

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को-एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है। तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई। अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है। गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनकी आवाज ने गाने को और मधुर बना दिया है, वहीं गाने में तारा ने गाने में और भी आकर्षण भर दिया। ढिल्लन ने कहा, वह उस माहौल को समझ गईं, जिसे हम दर्शकों को दिखाना चाहते थे, जिसके बाद आसानी से वह कहानी का अहम हिस्सा बन गईं। गायिका श्रेया घोषाल ने गाने में अपनी आवाज दी है।

बागी 4 को लेकर सोनम बाजवा ने दी नई अपडेट

हाल ही में अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म बागी 4 को लेकर बड़ी अपडेट दी है। इससे पहले टाइगर श्रॉफ ने इसके बारे में अपडेट दी थी। मशहूर पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा ने टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी दूसरी बॉलीवुड फिल्म बागी 4 की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने एक पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें क्लैपरबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखी है और फिल्म के बारे में जानकारी दी है। सोनम बाजवा ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है और बस यूं ही बागी 4 की शूटिंग पूरी हो गई। यह मेरी दूसरी हिंदी फिल्म है। यह एक ऐसा सफर है जो जोश और विश्वास से बुना गया है। मेरे शानदार निर्देशक ए. हर्षा, हमारे दूरदर्शी निर्माता साजिद सर, मेरे अद्भुत सह-कलाकार टाइगर श्रॉफ और इस कहानी में अपना सब कुछ देने वाली दीप्ती जिंदल समेत हर व्यक्ति का आभार।

मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं

मनीषा ने सुनाई कैंसर के दिनों की कहानी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कैंसर से जंग जीत चुकी मनीषा कोइराला ने हाल ही में लंदन में एक खास कार्यक्रम में अपने बारे में बहुत खास बातें बताई हैं। हियर एंड नाउ 365 की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीषा ने बताया कि जब उन्हें कैंसर हुआ था, तब वह कैसा महसूस कर रही थीं? मनीषा कोइराला को साल 2012 में अंडाशयी कैंसर का पता चला था। उन्होंने उस क्षण को याद किया, जब उन्होंने पहली बार यह खबर सुनी थी। उन्होंने कहा जब डॉक्टर ने मुझे बताया कि मुझे कैंसर है, तो मैंने सोचा, बस हो गया। मैं मर जाऊंगी। लेकिन ईश्वर की कृपा से, मैं नहीं मरी। मैंने फिर से जीना सीख लिया। कैंसर होने के बाद उन्होंने जो जिंदगी जी उसके बारे में बताते हुए मनीषा ने कहा लचीलापन कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। यह पल-पल लिए गए छोटे-छोटे फैसलों की एक श्रृंखला है। कोइराला हियर एंड नाउ 365 के संस्थापक मनीष तिवारी के साथ बातचीत कर रही थीं।

45 दिनों में कैसे कम किया 16 किलो वजन, अब जेठालाल ने खुद बताई सच्चाई

पिछले दिनों जेठालाल यानी कि दिलीप जोशी के वजन कम करने और गजब के ट्रांसफॉर्मेशन की खबरें काफी सुर्खियों में रही थीं। अब अभिनेता ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

टीवी के पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के जेठालाल यानी दिलीप जोशी पिछले दिनों तब सुर्खियों में आ गए जब उनके 45 दिनों में 16 किलो वजन कम करने की खबर सामने आई। इसके बाद हर कोई उनके इस गजब ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ करने लगा। अब इस खबर पर खुद जेठालाल की प्रतिक्रिया सामने आई है।

दिलीप जोशी बोले- 1992 में किया था कम

हाल ही में दिलीप जोशी एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान जब वो रेड कार्पेट पर पोज देने के लिए आए, तो वहां मौजूद फोटोग्राफर्स और पैपराजी ने उनसे उनके वजन कम करने को लेकर सवाल किया। फोटोग्राफर्स ने जेठालाल से इतने कम समय में इतना अधिक वजन कम करने का राज पूछा। इस पर दिलीप जोशी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'अरे 1992 में किया था भाई। अभी पता नहीं किसी ने सोशल मीडिया पर चला दिया यार।' अब दिलीप जोशी का ये जवाब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पिछले दिनों आई थी खबर

पिछले दिनों ऐसी खबरें सुर्खियां बनी थीं कि जेठालाल यानी दिलीप जोशी ने सिर्फ 45 दिनों में 16 किलो वजन कम कर लिया है। वो भी बिना जिम जाए, सिर्फ अपनी डाइट को कंट्रोल करके। ऐसे में इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई हैरान था और दिलीप जोशी से इसके पीछे का राज जानना चाहता था। 57 वर्षीय अभिनेता ने अपने इस बदलाव का क्रेडिट अपनी अनुशासित दिनचर्या को दिया।

एक साथ रिलीज हुई करण टैकर की फिल्म और वेब सीरीज

अभिनेता करण टैकर के लिए आज का दिन बहुत ही खास है, क्योंकि आज के दिन उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हो रहे हैं। एक ओर जहां सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में करण टैकर एक अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ओटीटी पर करण टैकर केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' में भी एक मुख्य भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। एक ही दिन अपने दो प्रोजेक्ट्स रिलीज होने पर अब करण टैकर ने प्रतिक्रिया दी है।

'मैं इसे कैसे स्वीकार करूं'

लोगों के करियर में बहुत कम बार ऐसा देखने को मिलता है जब एक ही दिन पर उनके दो प्रोजेक्ट्स रिलीज हों। ऐसे में इस खास मूमेंट को लेकर करण टैकर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। वीडियो में करण कहते हैं, मेरे करियर में यह पहली बार है कि मेरी दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इसे कैसे स्वीकार करूं। मैं बहुत नर्वस और बेचैन हूं क्योंकि दोनों की भूमिकाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और दोनों बिल्कुल अलग प्लेटफॉर्म पर हैं। एक फिल्म है, जबकि दूसरी ओटीटी पर। हालांकि, मैं इस बात से उत्साहित हूं कि दर्शकों ने मुझे डेढ़ साल से नहीं देखा है और अब वे मुझे और भी ज्यादा देख पाएंगे। लेकिन साथ ही प्रतिक्रियाओं ने मुझे लगातार चौकन्ना रखा है और मेरी रातों की नींद उड़ा दी है। इसलिए मैं बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं और हां, मैं इंतजार नहीं कर सकता।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना: फातिमा सना शेख

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा। उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया। मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है।

एशियाई रग्बी चैंपियनशिप से बिहार बनाएगा नई पहचान : राहुल बोस

एजेंसी

पटना/राजगीर : बिहार खेल क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पड़ाव पर खड़ा है। 9 और 10 अगस्त को राजगीर में पहली बार अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप-2025 का आयोजन होने जा रहा है। इस पर रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि इस आयोजन से रग्बी को नई पहचान मिलेगी और बिहार का खेल मानचित्र पर एक नया मुकाम स्थापित होगा। अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप-2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इस भव्य आयोजन को लेकर देश के जाने-माने फिल्म अभिनेता और रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया दी है। उन?होंने बिहार के मुख?यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें बहुत खुशी हो रही है कि अंडर-20 एशियन रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप का संस्करण बिहार में आयोजित हो रहा है। यह आयोजन राज्य में खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेहतर होती बुनियादी संरचना का प्रमाण है। राहुल बोस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में खेलों के क्षेत्र में हो रहे विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजगीर में बना स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है, जहां खिलाड़ियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। नीतीश सरकार ने रग्बी समेत सभी खेलों के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) की भूमिका की भी तारीफ की। उन?होंने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में बीएसएसए का योगदान बेहद अहम रहेगा। राहुल बोस ने उम्मीद जताई कि यह चैंपियनशिप न केवल रग्बी के विकास में योगदान देगी, बल्कि राज्य में खेल संस्कृति को भी नई ऊंचाई देगी। उन्होंने राज?य के युवाओं से आह्वान किया कि वे इस आयोजन को एक उत्सव की तरह लें तथा खेल भावना को और मजबूत करें। उन?होंने यह भी कहा कि बिहार में खेल के ऐसे आयोजन इस प्रदेश को नई पहचान दे रहे हैं।-

डीपीएल 2025 में यश धुल ने जड़ा पहला शतक, सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शानदार जीत

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे संस्करण में अरुण जेटली स्टेडियम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स के यश धुल ने शानदार शतक जड़कर टूनार्मेंट का पहला सैकड़ा लगाया और अपनी टीम को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स पर 8 विकेट से जीत दिला दी।175 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए यश धुल ने 56 गेंदों में नाबाद 101 रनों की पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। धुल की यह आक्रामक लेकिन संयमित बल्लेबाजी पूरे मैच का आकर्षण रही और उन्होंने सेंट्रल दिल्ली की जीत सुनिश्चित कर दी। ओपनर युगल सैनी ने तेज 36 रन (24 गेंद) बनाकर शुरूआत में लय पकड़ाई, वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू ने अंत तक टिककर 23* रन (19 गेंद) बनाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

दर्शकों पर चला अहान पांडे-अनीत पड्डा का जादू

अहान पांडे के डेब्यू की खबरें लंबे वक्त से फिल्म जगत की सुर्खियों में थीं। आज आखिर 18 जुलाई को उनकी फिल्म सिनेमाघरों में लग चुकी है। यशराज फिल्म्स ने इस नए सितारे को उतारा है। उनके साथ ही फिल्म में नजर आई अनीत पड्डा की भी यह पहली फिल्म है। जानिए मोहित सूरी के निर्देशन में बनी दो नए सितारों की फिल्म ने कैसी ओपनिंग ली है?

रिलीज से पहले से फिल्म सैयारा को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है। इसी के साथ अहान पांडे के डेब्यू को लेकर भी इंडस्ट्री में खूब चर्चाएं होती रहीं। इस साल कई नए सितारों ने इंडस्ट्री में दस्तक दी है, मगर सबका जादू फीका सा रहा है। इस बीच निगाहें अहान पांडे पर टिकी थीं, जो पिछले दो-तीन साल से इस फिल्म के लिए तैयारी कर रहे थे। अब जब उन्होंने सिनेमा के मैदान में कदम रखे हैं तो दर्शकों पर जादू चल पड़ा है। ओपनिंग डे की कमाई के आंकड़े तो कुछ यही संकेत दे रहे हैं।

फिल्म सैयारा ने पहले दिन धमाल किया है। इसने डबल डिजिट में खाता खोला है। फिल्म ने शाम के शोज तक 12 करोड़ 35 लाख रुपये कमा लिए हैं। अंतिम आंकड़े आने तक इस कलेक्शन में और इजाफा दर्ज होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म सैयारा का बजट करीब 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

श्रावण के चौथे सोमवार पर देवकली मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एजेंसी

औरैया : श्रावण मास के चौथे सोमवार पर शिवभक्तों की आस्था का अद्भुत नजारा औरैया के ऐतिहासिक देवकली मंदिर में देखने को मिला। श्रावण शुक्लपक्ष की दशमी तिथि और सोमवार को रवि योग, सर्वार्थसिद्धि योग, ब्रह्म योग व इंद्र योग जैसे चार विशेष योग बनने से यह दिन और भी पावन हो गया, जिससे भक्तों की भीड़ पहले से अधिक रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के कपाट रात्रि 12 बजे से ही जलाभिषेक के लिए खोल दिए गए। मान्यता है कि यहां स्थापित शिवलिंग हर वर्ष स्वतः थोड़ा बढ़ता है, जिसे चमत्कारिक रूप से देखा जाता है। शिवभक्त रात्रि से ही कतार में लगकर भोलेनाथ का पूजन, अर्चन, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक कर रहे हैं। प्रदेश के कोने-कोने से डाक कांवड़, जल कांवड़ लेकर श्रद्धालु देवकली मंदिर पहुंचे। ऐसी मान्यता है कि यहां मुराद मांगने वाला भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर मार्ग पर रोशनी, साफ-सफाई, पेयजल, और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। नदी से जल लाने वाले भक्तों की सुरक्षा हेतु यमुना नदी पर गोताखोरों की तैनाती की गई है। महिला-पुरुषों व कांवड़ियों की अलग-अलग कतारों की व्यवस्था के साथ, रूट डाइवर्जन, मजिस्ट्रेटों की तैनाती, और पुलिस बल की सक्रिय ड्यूटी ने श्रद्धालुओं को दर्शन में किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाए रखा है।

सावन माह की अंतिम सोमवारी को शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए उमड़ी भीड़

अररिया : सावन माह की चौथी और अंतिम सोमवारी को शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है।जिले के विभिन्न मंदिरों,देवालयों में स्थापित शिवलिंग समेत शिवालयों में सुबह से ही शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।विभिन्न मंदिरों और शिवालयों में शिव धुन और भक्तों की ओर से लगने वाले जयकारे हर हर महादेव,जय शिव शंभू,बाबा भोलेनाथ की जय के नारों से वातावरण पूरा शिवमय हो गया है। केसरिया रंग के परिधान में शिव भक्त मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना करने के साथ शिवलिंग पर जलाभिषेक कर रहे हैं।मंदिरों,देवालयों और जिले के प्रतिष्ठित शिवालयों में विधि व्यवस्था संधारण और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले के कुसार्कांटा प्रखंड स्थित सुन्दरनाथ धाम मंदिर,मदनपुर स्थित बाबा मदनेश्वरनाथ धाम मंदिर ,रानीगंज के बसेटी स्थित इन्द्रमतेश्वरनाथधाम मंदिर,फारबिसगंज के बड़ा शिवालय,अररिया नगर के बाबा खड़गेश्वरनाथ धाम मंदिर,गोकुल ठाकुरबाड़ी,शंकरपुर के शिव मंदिर,जोगबनी शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।मंदिरों में श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर गर्भ गृह में पहुंच कर शिवलिंग पर जलाभिषेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध करने के लिए मंदिर प्रबंधन कमिटी के सदस्य भी सहयोग कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में येलो अलर्ट, कई जिलों में गरज चमक और बारिश की चेतावनी

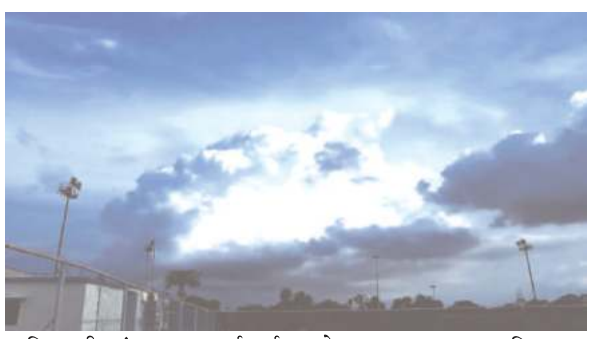

कोलकाता : चक्रवात और सक्रिय मानसूनी ट्रफ, इन दोनों के प्रभाव से दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है लेकिन उत्तर बंगाल के जिलों में मूसलधार बारिश हो रही है। पिछले दो वर्षों में ऐसी स्थिति नहीं देखी गई थी। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार वायुमंडल की ऊपरी परत में स्थित चक्रवात पूर्वोत्तर बिहार और आसपास के क्षेत्र से हटकर अब उत्तर-पश्चिम बिहार और सटे हुए पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश पर केंद्रित है। यह चक्रवात समुद्र तल से 4.5 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ है और दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। दूसरी ओर, समुद्र तल के ऊपर सक्रिय मानसूनी ट्रफ अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहांपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुड़ा, कैनिंग होते हुए दक्षिण-पूर्व दिशा में उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक फैला है। इसके प्रभाव से बंगाल में भारी मात्रा में जलवाष्प प्रवेश कर रहा है, जिससे उत्तर से दक्षिण तक पूरे बंगाल में बारिश हो रही है। उत्तर बंगाल में आने वाले दिनों में लगातार भारी बारिश की संभावना जताई गई है। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जैसे पहाड़ी और तराई क्षेत्र भारी से अति भारी बारिश (7-20 सेमी) से प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा दोनों दिनाजपुर और मालदा जिलों में भी मध्यम से भारी बारिश (7-11 सेमी) का अनुमान है। मंगलवार और बुधवार को भी पूरे क्षेत्र में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है, जिसमें कुछ इलाकों में फिर से छिटपुट भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी। वहीं, दक्षिण बंगाल में इस सप्ताह लगातार गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। सोमवार को उत्तर 24 परगना ,दक्षिण 24 परगना, मेदिनीपुर पूर्व वर्धमान ,नदिया और हावड़ा में बारिश के साथ-साथ 30झ40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मंगलवार और बुधवार को भी अलग-अलग जिलों में छिटपुट बारिश का पूवार्नुमान है। वहीं गुरुवार को नदिया और उत्तर 24 परगना के कुछ हिस्सों में भारी बारिश (7-20 सेमी) की चेतावनी जारी की गई है। कोलकाता शहर में बारिश का दौर जारी है और इसके साथ ही तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। रविवार रात से सोमवार सुबह तक हुई 37.3 मिमी बारिश ने मौसम को ठंडा तो किया है, लेकिन उमस ने लोगों को परेशान किया।

बाक्सा जिले का मुख्यमंत्री करेंगे दौरा

बाक्सा (असम) : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा आज बाक्सा जिले के प्रवास पर आएंगे। मुख्यमंत्री जिला में दो कार्यकताओं के सम्मेलन में भी भाग लेंगे। इसके अलावा सरकारी कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री सबसे पहले जिला के मुसलपुर परिषद क्षेत्र के अदालबारी में कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वहीं दोपहर बाद मथनगुरी परिषद क्षेत्र के माजरगांव में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री के साथ राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

यूपी के सीतापुर जिले में कच्ची दीवार गिरने से दो बच्चियों की मौत

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में हो रही बारिश की वजह से कच्ची दीवार गिर गयी। उसके नीचे दबकर दो बच्चियों की मौत हो गई। इस घटना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान में लेकर जिले के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक बच्चियों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है।

सीतापुर जिले के कोतवाली सिधौली पुलिस के मुताबिक, खैरेन देशनगर ग्रंट गांव में सोमवार सुबह चार बजे के आसपास एक मकान की कच्ची दीवार गिर गयी। दीवार के साथ-साथ उस पर रखा छप्पर उसके साथ नीचे आ गया। मलबे में चांदनी (14), शिवासी (12) और नाना रामपाल (60) दब गए। तीनों को गम्भीर हालत में सीएचसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान चांदनी और शिवासी को मृत घोषित कर दिया। रामपाल की हालत खतरे से बाहर है। परिजनों ने बताया कि ये हादसा उस वक्त हुआ जब नाना के साथ दोनों बच्चियां सो रही थीं। घटना की जानकारी पर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग , मुगल रोड, सिंथन रोड तथा एसएसजी रोड यातायात के लिए खुले

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल रोड, सिंथन रोड तथा एसएसजी रोड सोमवार को यातायात के लिए खुले हैं। जानकारी के अनुसार जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए आज दोनों तरफ से खुला है जबकि बड़े वाहनों को केवल श्रीनगर से जम्मू की तरफ जाने की इजाजत दी गई है। सभी वाहनों को अपने तय समय के अनुसार ही आवाजाही की अनुमति दी गई है। कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को जम्मू से श्रीनगर अथवा श्रीनगर से जम्मू जाने की इजाजत नहीं दी गई है। इसके अलावा मुगल रोड, सिंथन रोड तथा एसएसजी रोड भी वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल हैं।

पुत्र ने अपने साथियों संग मां को स्कॉर्पियो से कुचला,मौत

एजेंसी

इटावा : जनपद में थाना बलरई क्षेत्र में मिली अज्ञात महिला के शव की शिनाख्त कर उसकी हत्या के आरोप में महिला के बेटे समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मां की दूसरी शादी से नाराज पुत्र ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मां की स्कॉर्पियो कार से कुचलकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्यारोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल स्कॉर्पियो कार, एक मोटरसाइकिल,व तीन मोबाइल फोन बरामद किए है। एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी ने बताया कि बीते 28 जुलाई की रात में थाना बलरई क्षेत्र के खंदिया पुल के पास एक महिला का अज्ञात शव घायल अवस्था में मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महिला के शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटी थी शव मिलने के 36 घंटे के बाद रामनिवास पुत्र रामदास शर्मा निवासी ग्राम बिठोना थाना जैतपुर जनपद आगरा ने अपनी दूसरी पत्नी के रूप में शिनाख्त की गई थी। शिनाख्त होने के बाद पुलिस घटना का खुलासा करने के लिए जांच पड़ताल में जुट गई थी उसके पति ने बताया कि पत्नी 28 जुलाई को दवा लेने के लिए जैतपुर गई थी और तब से घर वापस नहीं आई थी। पुलिस ने घटना के खुलासा के लिए घटना स्थल के आसपास छानबीन करते हुए सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया। इसी दौरान एक सीसीटीवी में उक्त महिला एक युवक के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर जाते हुए देखा गया। पुलिस ने बाइक चला रहे युवक की शिनाख्त मृतक महिला यशोदा के पहले पति के पुत्र कौशल के रूप में की। जिसके बाद पुलिस ने महिला के पहले पति के पुत्र कौशल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कौशल ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि उसकी मां यशोदा ने उसके पिता के जिंदा होते हुए भी सात आठ वर्ष पहले रामनिवास के साथ दूसरी शादी कर ली थी। जिससे हम लोगों की समाज में काफी बेइज्जती हुई थी।

पटना के एक मात्र डबल डेकर रोड को लेकर पुल निर्माण विभाग ने दी सफाई,पूरी तरह सुरक्षित है

पटना : राजधानी पटना के अशोक राजपथ पर 422 करोड़ रुपये की लागत से बने बिहार के पहले डबल डेकर पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 11 जून 2025 को किया था। इस पुल का उद्देश्य पटना के व्यस्त इलाकों जैसे पीएमसीएच, साइंस कॉलेज, और पटना यूनिवर्सिटी के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना था। हालांकि, उद्घाटन के महज 53 दिन बाद ही इस पुल की सड़क सतह पर दरारें आने लगीं, जिससे आम जनता और विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है। इस घटना पर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग ने सफाई दी है। इस संबंध में रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (आरसीडी) बिहार सरकार और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएलएल) ने अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। विभाग ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कई न्यूज चैनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबरें तेजी से फैल रही थीं। लगातार मूसलाधार बारिश के कारण पुल की सतह पर बने डामर की ऊपरी परत के एक छोटे हिस्से में आंशिक स्लीपेज हुआ है।

शुरूआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे में ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। पहले 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.46 प्रतिशत से लेकर 1.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयर 1.46 प्रतिशत से लेकर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,529 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,391 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,902.93 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने थोड़ी ही देर में लाल निशान में 80,500.51 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर दिखाया, जिससे ये सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 129.98 अंक की मजबूती के साथ 80,729.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,669.95 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये कुछ देर के लिए लाल निशान में 24,554 अंक तक गिर भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 63.70 अंक की बढ़त के साथ 24,629 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 585.67 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,599.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 203 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,565.35 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

बलिया शहर के निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी

बलिया : यूपी के बलिया में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गंगा का जलस्तर हाई फ्लड लेवल 60.39 मीटर के करीब पहुंच गया। जिससे बलिया शहर के निचले इलाके के सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है। बाढ़ की वजह से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग अपने घरों में सीढ़ी से सहारे प्रवेश कर रहे हैं। कहीं आने-जाने के लिए नाव का सहारा ले रहे हैं। गंगा का जलस्तर सोमवार को भी एक सेंटीमीटर से अधिक रफ्तार से बढ़ रहा है। सोमवार की सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 58.61 मीटर तक पहुंच गया। यही रफ़्तार जारी रही तो अनुमान लगाया जा रहा है कि मंगलवार सुबह तक 2016 के जलस्तर 60.39 को पार कर जाएगा। वहीं, सोमवार सुबह तेज और मूसलाधार बारिश ने बाढ़ प्रभावित शहर के निचले इलाकों, बैरिया तहसील के दूबे छपरा, नौरंगा, उदई छपरा और बंधु चक आदि गावों में लोगों की परेशानी और बढ़ गई। बलिया शहर के निचले इलाके महावीर घाट में अपने घर के दरवाजे पर खड़ी आरती देवी ने कहा कि उनके घर में बाढ़ पानी घुस गया है। बाढ़ की वजह से विषैले जीव जंतुओं का खतरा बना हुआ है। बलिया शहर के ही निहोरा नगर के रहने वाले गजब पासवान ने कहा कि वो लोग नाव से आ जा रहे हैं। नाव वाला आने जाने के लिए किराया भी ले रहा है।

किशोर कुमार की जयंती पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को महान गायक, गीतकार, संगीतकार और अभिनेता किशोर कुमार की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा है कि महान गायक, गीतकार, संगीतकार और अभिनेता किशोर कुमार की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। वह भारतवर्ष में बंगाली प्रतिभा की सफलता के प्रतीक थे। किशोर कुमार, जिनका जन्म चार अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा में हुआ था, भारतीय फिल्म और संगीत जगत के सबसे बहुमुखी और लोकप्रिय कलाकारों में गिने जाते हैं। हिंदी सिनेमा में उनका योगदान आज भी अमूल्य माना जाता है। उनकी आवाज और अभिनय शैली ने उन्हें हर वर्ग के दर्शकों और श्रोताओं के बीच लोकप्रिय बना दिया।

नोएडा में ट्रैक्टर चोरों व पुलिस की बीच चली गोलियां, एक चोर घायल

गौतमबुद्धनगर : उत्तर प्रदेश के दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर जिले की थाना सेक्टर 24 पुलिस ने रविवार की रात को मेट्रो पिलर के पास मुठभेड़ के दौरान दो ट्रैक्टर चोरों को गिरफ्तार किया है। इस मुठभेड़ में एक ट्रैक्टर चोर घायल हो गया है, जबकि दूसरे को पुलिस ने दबोच लिया है। यह लोग खास तौर पर ट्रैक्टर ही चलाते हैं । जो ट्रैक्टर इन के कब्जे से से बरामद हुआ है वह इन्होंने हाल ही में मोदी मॉल के पीछे से चोरी किया था। इस आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह एक आपराधिक मामले में 2016 में जेल गया था वहीं पर वह अन्य चोरों के लिए संपर्क में आ गया और उसने वाहनों को किस तरह चोरी किया जाता है यह सीख लिया। जेल से बाहर आने के बाद ट्रैक्टर व अन्य वाहनों की चोरी करने लगा। नोएडा पुलिस के मुताबिक सेक्टर 24 पुलिस पिलर नंबर 94 के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी । तभी करीब 400 मीटर की दूरी पर दो युवक संदिग्ध अवस्था में आते हुए दिखाई दिए। दोनों बदमाश ट्रैक्टर पर सवार होकर आ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह रुके नहीं बल्कि ट्रैक्टर को सर्विस लेन पर दौड़ने लगे । पुलिस ने पीछा किया और दोनों को घेर लिया। घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाब ही फायरिंग की। जिसमें दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी वीरेंद्र कश्यप घायल हो गया जबकि उसके साथी जसवंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जसवंत सिंह मूल रूप से शाहजहांपुर का रहने वाला है।वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह 2016 में जेल गया था। वहीं पर उसने अन्य कैदियों के साथ मिलकर चोरी करने के तरीके सीखे और जेल से बाहर आकर उसने जसवंत सिंह के साथ मिलकर वाहनों की चोरी कर दी ।जो ट्रैक्टर उसे बरामद हुआ है वह उसने मोदी मॉल के पीछे से चोरी किया था। वह लोग पहले रेकी करते हैं उसके बाद वाहन को चुरा लेते हैं। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी यमुना प्रसाद का कहना है कि चोरों से गहन पूछताछ की जा रही है।इनके कब्जे से तमंचा ,चाकू व कारतूस भी बरामद हुए हैं।

सेंगर नदी का जलस्तर बढ़ा, खेतों की फसलें और शवदाह गृह जलमग्न

औरैया : जनपद की तहसील बिधूना के अंतर्गत आने वाले अछल्दा क्षेत्र में सेंगर नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से आसपास के ग्रामीणों की चिंता गहरा गई है। अछल्दाझमहेवा मार्ग पर चिमकुनी गांव के पास से बहने वाली नदी का पानी अब खेतों और सार्वजनिक स्थलों में घुसने लगा है। जलस्तर बढ़ने से धान और बाजरा की खड़ी फसलें जलमग्न हो चुकी हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई किसानों ने बताया कि यदि जलस्तर ऐसे ही बना रहा तो पूरी फसल बर्बाद हो जाएगी और खाने तक के लाले पड़ जाएंगे। नदी के किनारे स्थित शवदाह गृह में भी पानी पहुंच चुका है, जिससे किसी अप्रिय स्थिति में अंतिम संस्कार करने में कठिनाई आ सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि मिट्टी डालने तक की जगह नहीं बची है, जिससे काफी परेशानी हो रही है। इसी के साथ नदी के पास बना एक प्राचीन मंदिर और उसके आसपास की जमीन भी धीरे-धीरे जलमग्न होती जा रही है। वहीं मंदिर परिसर से लगा मेला मैदान पूरी तरह पानी में डूबने की कगार पर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थिति की गंभीरता को समझते हुए समय रहते कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि बारिश और जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो फसलें तो खत्म होंगी ही, साथ ही ग्रामीणों के रहने और आवाजाही में भी भारी दिक्कतें खड़ी हो जाएंगी।

बीरेंद्रकृष्ण भद्र की जयंती पर ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि, कहा- 'दुर्गोत्सव के ध्रुपदी स्वर को नमन'

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बांग्ला सांस्कृतिक विरासत के स्तंभ और प्रसिद्ध बेतार उद्घोषक बीरेंद्रकृष्ण भद्र को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने एक ट्वीट के माध्यम से दिवंगत प्रसारण कलाकार की स्मृति को नमन किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, बांगालियों के दुर्गा उत्सव के शास्त्रीय आह्वानकर्ता और विख्यात रेडियो प्रसारणकर्ता बीरेंद्रकृष्ण भद्र को उनके जन्मदिवस पर मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। बीरेंद्रकृष्ण भद्र को महिषासुरमर्दिनी के उनके प्रतिष्ठित पाठ के लिए विशेष रूप से जाना जाता है, जो हर साल महालया के दिन आकाशवाणी से प्रसारित होता है। उनकी आवाज बंगाल के शारदीय उत्सव की एक अमिट छवि बन चुकी है। 'या चंडि' से शुरू होकर उनका संस्कृत पाठ दशकों से बंगाल और विश्वभर के बांग्लाभाषियों की धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना में रचा-बसा है।

न्यूज IN ब्रीफ

15 पुअनि जिले के विभिन्न थानों में किया गया तबादला

गुमला : गुमला जिले में अपराघ के जन्मदता नशा - नशेडियों और प्रतिबंधित अवैध मादक पदार्थो एंव गो पशु तस्करों के अन्तरराज्य गिरोह व्यपारियों (तस्करों) पर नकेल कसने के उद्देश्य से किया गया 15 पुअनियों को जिले के विभिन्न थानों में तबादला, गुमला पुलिस कप्तान हरीश बिन जमां ने जिले के 15 पुअनि को जिला के विभिन्न थानों में नव पदस्थापन (तबादला) कर जिले में अपराध के जन्मदाता - नशा - नशेबाज और नशे के अवैध व्यापारियों (तस्करों) सहित जिले के विभिन्न सीमांचल (बाँडर) क्षेत्रो से हो रहे अन्तरराज्य गिरोह व्दारा प्रतिबंधित अवैध नशीले पदार्थो और गो पशु तस्करी पर नकेल कसने के उद्देश्य से ही उक्त पुअनियों का तबादला जिले के विभिन्न थानों में किया गया हैं

गड्ढे में गिरा डीजे वैन, 5 की मौत

भागलपुर : जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में डीजे वैन के गड्ढे में पलट जाने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब सुल्तानगंज से ज्येष्ठगौरनाथ की ओर जा रही डीजे वैन महंत स्थान के निकट सुल्तानगंज मुख्य सड़क पर बिजली के तार से टच हो गई। तार से टच होते ही चालक ने वैन से नियंत्रण खो दिया और वैन गड्ढे में जा गिरी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन में कुल 9 लोग सवार थे। वैन के पलटते ही कुछ लोग उसमें दब गए, जबकि कुछ ने कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में घायल तीन लोगों को गंभीर हालत में शाहकुंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है, जहां प्राथमिक उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला। सभी शवों की पहचान कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रशासन की टीम घायलों के इलाज पर नजर बनाए हुए है और हादसे के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है।

साकची में घर में घुसकर नकद समेत गहनों की चोरी

जमशेदपुर : साकची थाना अंतर्गत धालभूम रोड स्थित विमल सत्या अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 155 में चोरी हो गई। इस मामले में अंजन कुमार सिंहदेव ने साकची थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। अंजन ने बताया कि रविवार सुबह चार से पांच के बीच उनके घर में बालकनी की ओर से चोर घुसा और घर में रखा पत्नी का श्रृंगार बॉक्स, पर्स और मोबाइल की चोरी कर ली। चोरों की तस्वीर सीसीटीवी में भी कैद हुई है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि एक ठेले से दो व्यक्ति उनके फ्लैट के बाहर पहुंचे जिसमें से एक उनकी बालकनी से फ्लैट के अंदर घुसा। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों अलगझ्अलग रास्ते चले गए। अंजन के अनुसार चोरों ने 15 हजार नकद समेत 2.50 लाख के गहनों की चोरी की है।

ट्रेन से गिर कर गिरिडीह के यात्री की मौत

धनबाद : गिरिडीह ताराटांड़ निवासी 25 वर्षीय अजय विश्वकर्मा की ट्रेन से गिर कर मौत हो गई। एक अगस्त को अजय विश्वकर्मा अपने घर से धनबाद आने के लिए निकले थे। भूली पांडरपाला निवासी अजय के भाई अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि उनका भाई चंद्रपुरा-धनबाद पैसेंजर ट्रेन पर सवार थे। सिजुआ स्टेशन पर वह ट्रेन से गिर गए। रेल पुलिस ने अजय को घायलावस्था में एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया।

कैंसर पीड़ित की मदद के लिए बाल मेला लगाया

धनबाद : जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क शिक्षा देने वाली संस्था रीजेंट एकेडमिक की टीम ने रविवार को विद्यालय में बाल मेला लगाया। यह आयोजन कैंसर पीड़ित रमेश मल्हार के इलाज के लिए था। टीम रमेश के इलाज का संपूर्ण खर्च उठा कर रही है। बाल मेला में सीएमपीएफ के असिस्टेंट डायरेक्टर नफीस आलम, गोल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर संजय आनंद और अजय कुमार सिंह विशेष अतिथि थे। कार्यक्रम को विद्यालय निदेशक डीके सिंह और प्राचार्य शिवस कुमार के सहयोग से सफल बनाया गया। मेला में खेल-कूद व खानपान के स्टॉल लगाए गए। करीब 100 लोगों की उपस्थिति में हुए इस आयोजन को सफल बनाने में मनोहर कुमार, अनिल हरि, मिंटू मंडल, वासुदेव, संध्या सिंह, अंजली गुप्ता, स्मिता सिंह, राजीव और जीव रंजन सिंह का विशेष योगदान रहा।

सावन के रंग में रंगीं टेल्को की महिलाएं, निशा बनीं सावन क्वीन

जमशेदपुर : उड़िया महिला समाज की ओर से टेल्को आस्था ट्विन सिटी में सावन महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। सुजाता बिस्वाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और सावन के गीत-संगीत, नृत्य और प्रतियोगिताओं का आनंद उठाया। कार्यक्रम का खास आकर्षण रही सावन क्वीन प्रतियोगिता, जिसमें निशा ने शानदार प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा लकी, पम्मी, राजश्री समेत कई महिलाओं ने आयोजन के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। महोत्सव में पारंपरिक पहनावा, मेहंदी, गीतों और नृत्य की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

खासमहाल में सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने का अभियान टला

जमशेदपुर : खासमहाल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का अभियान फिलहाल टल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन की वजह से धोषित तीन दिन के राजकीय शोक एवं दो दिन तक सभी कार्यालयों को बंद करने के आदेश की वजह से यह इसे टाला गया है। यह जानकारी जमशेदपुर के अंचलाधिकारी (सीओ) सह अतिक्रमण हटाओ अभियान के वरीय दंडाधिकारी मनोज कुमार ने यह जानकारी दी।दरअसल अतिकमण हटाने के लिए जेसीबी मंगा ली गई थी। कर्मचारी भी बाहर निकल गये थे। परंतु सीओ को राजकीय शोक की घोषणा व दो दिन कार्यालय बंद रहने की जानकारी मिलने के बाद उन्हें वापस बुला लिया।

हालांकि अब यह अभियान कब चलेगा, कहना मुश्किल है, क्योंकि धालभूम के अनुमंडल पदाधिकारी का पद खाली चल रहा है, जिन्होंने पहले अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। टाटानगर स्टेशन-हाता रोड में खास महाल चौक से प्रखंड सह अंचल कार्यालय के बीच सड़क किनारे की सरकारी जमीन पर बहुत से छोटे दुकानदारों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। उन्होंने झोपड़ीनुमा दुकानें बना ली हैं। उनकी वजह से इस क्षेत्र में जाम लगता है। यही नहीं, शाम के बाद इनमें से कुछ झोपड़ियों में अड्डेबाजी भी होती है। आश्चर्यजनक ढंग से प्रखंड कार्यालय के गेट के पास भी अतिक्रमण कर लिया गया है।

संस्कृति कला महोत्सव में बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

संस्कृति से जुड़ाव ही समाज की असली पहचान है: नौशाद आलम

संवाददाता

मेदिनीनगर : स्थानीय सत्कार भवन में आर्ट एजुकेशनल एंड स्किल्ड सोसाइटी की ओर से आयोजित संस्कृति कला महोत्सव के समापन समारोह में बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पलामू रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम ने कहा कि ह्लसंस्कृति समाज की आत्मा है। जब बच्चे मंच पर आत्मविश्वास से प्रदर्शन करते हैं, तो यह दशार्ता है कि हमारा भविष्य सशक्त और संवेदनशील हाथों में है ह्व

इस कार्यक्रम में पूर्व मेयर अरुणा शंकर और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। अरुणा शंकर ने कहा कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक

सीमित न रखकर सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आज की आवश्यकता है। वहीं, समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने कहा कि कला, संस्कृति और सामाजिक मूल्य एक साथ मिलकर एक संतुलित समाज की नींव रखते हैं। इस मंच ने बाल प्रतिभाओं को उभरने का अवसर दिया है।

समारोह में बच्चों ने गायन, नृत्य और नाट्य की विभिन्न विधाओं में प्रस्तुति दी। मंच संचालन और आयोजन में खुशबू गुप्ता, अलीशा तिवारी* सहित आयोजक मंडल की सक्रिय भूमिका रही।

संस्था के समन्वयक विजय कुमार ने सभी अतिथियों व सहभागियों का आभार प्रकट किया और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने की घोषणा की। मौके पर खुशबू अलीशा तिवारी समेत कई लोगों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

चौरसिया दिवस महोत्सव धूमधाम से हुआ संपन्न

संवाददाता

रांची : चौरसिया समाज, रांची, झारखंड का नाग पंचमी पूजा एवं सावन मिलन समारोह का आयोजन पुराना विधानसभा, विधायक क्लब रांची में आयोजित किया गया था, जहाँ सबसे पहले चौरसिया समाज के अराध्य भगवान नाग देवता का भक्ति भाव से पूजा अर्चना सम्पन्न होने के तत्यपश्चात चौरसिया समाज व्दारा अतिथियों का स्वागत करते हुए, उपस्थित महिला एवं बच्चों व्दारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतीकरण के बाद मुख्य अतिथि विधायक आलोक चौरसिया ने अपने अराध्य भगवान नागदेव, चौरसिया समाज के मुख्य व्यवसाय पान और बरेव की प्राचीन इतिहास की जानकारी देते हुई, चौरसिया समाज को शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए, चौरसिया परिवार को अगे बढो और खुब पढो की सीख देतें हुए , अंधविश्वास से दूर रहने की चेतावनी दी, रांची जिला अध्यक्ष राजेश चौरसिया, महासचिव नंदकिशोर चौरसिया, प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत चौरसिया , प्रदेश महासचिव अशोक चौरसिया, प्रदेश संरक्षक श्री राकेश चौधरी एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजीत चौरसिया प्रदेश सचिव संजीव चौरसिया, राजीव चौरसिया,गौतम चौरसिया, संदीप चौरसिया एवं चौरसिया समाज के गणमान्य अन्य अनेक लोगों ने उपस्थित चौरसिया समाज को आगे बढाने के लिए समाज के लोगों को अपने बच्चों को शिक्षित बनाने पर विशेष बल दिया गया और अंधविश्वास और नशापान से दूर रहने हिदायत दी , और उनके द्वारा यह सुनिश्चय किया गया की अगले वर्ष पुनः इससे भी भव्य तरीके से कार्यक्रम का आगाज किया जायेगा, विशेषकर महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया चौरसिया उपाध्यक्ष बबीता चौरसिया महासचिव मंजू चौरसिया कोषाध्यक्ष मधु चौरसिया बिना चौरसिया रेनू चौरसिया ब्यूटी चौरसिया एवं समाज के मुख्य पदाधिकारी उपस्थित हुए, इस कार्यक्रम में हजारीबाग टंडवा खूंटी बड़कागांव एवं डाल्टेनगंज समाज के लोग इस कार्यक्रम मैं उपस्थित हुए समाज के लोगों के सहयोग इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बेटे के हत्या के आरोप में पुलिस ने मां को भेजा जेल

धनबाद : कतरास के रामकनाली ओपी क्षेत्र की श्रीधरपुर बस्ती में खंभे से बांधकर पिटाई से युवक विक्रम बाउरी की मौत के मामले में रामकनाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की मां उमा देवी को रविवार को धनबाद जेल भेज दिया. घटना से गांव में सन्नाटा पसरा रहा. मृतक की पत्नी सरस्वती देवी के फर्द बयान पर पुलिस ने मां उमा देवी, पिता अरुण बाउरी तथा छोटा भाई अविनाश बाउरी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं हत्या में प्रयुक्त टांगी को पुलिस ने जब्त कर लिया है.

क्या है आरोप : मृतक की पत्नी सरस्वती देवी ने अपने बयान में कहा है कि शनिवार की सुबह करीब छह बजे घर में काम कर रही थी. तभी विक्रम आकर चाय नाश्ता के नाम पर एक सौ रुपये मांगा. पानी लाकर दिया. इसके बाद 100 रुपये दिया. इसके बाद शराब की नशे पति घर लौटा और गाली-गलौज करने लगा. उसने घर का सामान जला दिया. घर में आग लगाने का प्रयास करने लगा. इस बीच मेरी सास उमा देवी द्वारा डांटने पर हम-दोनों की पिटाई कर दी गयी. घर से चाकू निकाल कर दायां दाहिना हाथ का नस काट लिया. इससे खून बहने लगा. इस बीच चाकू से खदेड़ने लगा. उसकी हरकत देख हमलोग भाग कर पड़ोसी के घर जाकर छिप गये. कुछ देर बाद पति पुनः घर में आग लगाने लगा. यह देख मेरे ससुर अरुण बाउरी तथा देवर ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, जिस पर उसने देवर के साथ मारपीट शुरू कर दी. सभी ने मिलकर उसे घर के बाहर बिजली के खंभा में बांध दिया. शाम को फिर उसने हो हल्ला करना शुरू कर दिया.

ग्रामीणों ने शव के साथ किया मुख्य टावर चौक जाम, हत्या का आरोप

संवाददाता

गुमला : गुमला सदर थाना क्षेत्र स्थित कसीरा गाँव निवासी 28 वर्षीय महिला सीमा देवी के शव के साथ ग्रामीणों ने शहर के टावर चौक को किया जाम, हत्या का आरोप, महिला के गले सहित पैर और शरीर के अन्य हिस्से पर गंभीर चोट के निशान हैं , बताया जा रहा हैं की 11 मई 2025 को उक्त महिला के साथ गांव के 4 से 5 लोगों ने

की थी मारपीट, पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप ग्रामीणों व्दारा लगाया जा रहा हैं।

परिवहन कार्यालय ने 264 वाहन मालिकों को भेजा बकाया का नोटिस

संवाददाता

धनबाद : जिला परिवहन कार्यालय ने बकाया कर व पेनाल्टी को लेकर 264 वाहन मालिकों को 1.26 करोड़ से अधिक के बकाया का नोटिस भेजा है. विभाग की ओर से जारी सूची के अनुसार इन वाहनों पर कुल एक करोड़ सात लाख तीस हजार 565 रुपए कर व 18 लाख आठ हजार 402 रुपये पेनाल्टी लगायी गयी है. इस तरह कुल बकाया राशि एक करोड़ 25 लाख 38 हजार 967 है.

जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सूची में जिन वाहनों का विवरण है, उन्होंने निर्धारित समय पर कर का भुगतान नहीं किया है, ऐसे में पेनाल्टी लगायी गयी है. कई वाहनों पर कर की राशि 21,465 से 76,800 रुपये तक है. वहीं पेनाल्टी 6,257 से 10,000 रुपये से अधिक तक लगायी गयी है. सूची में निजी व व्यवसायिक वाहन भी शामिल हैं. सबसे अधिक कर बकाया झारखंड नंबर के वाहनों पर है. बिहार नंबर के कुछ वाहन भी सूची में हैं. जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने वाहन मालिकों से जल्द बकाया कर व पेनाल्टी का भुगतान करने की अपील की है, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी. विभाग ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध करायी है.

एक ही रात कॉलोनी के चार घरों से लाखों की चोरी

संवाददाता

धनबाद : निरसा पुराना थाना एनएच से महज एक सौ मीटर दूर पीठाकियारी स्थित सिलेक्टेड लायकडीह कॉलोनी के चार आवासों का ताला तोड़ कर चोरों ने शनिवार की रात जेवरात व नकदी समेत लाखों की संपत्ति चोरी कर ली. चारों घरों से करीब सात लाख की संपत्ति चोरी हुई है. चारों आवास के गृहस्वामी रात में घर में नहीं थे. सभी बाहर गये थे. चोरी की इस घटना से लोगों में दहशत व्याप्त है. चोरों ने सुजीत रविदास, विकेश सिंह उर्फ बीकू, एके राय अंसारी एवं अखिलेश सिंह के आवास को निशाना बनाया. अखिलेश सिंह एवं सुजीत रविदास के आवास का अलमारी एवं दीवान तोड़ कर चोर जेवरात ले भागे. बीके सिंह एवं एके राय अंसारी के घर में चोरों ने अलमीरा एवं बक्से का ताला तोड़ा, लेकिन जेवरात एवं नकदी नहीं मिला. भुक्तभोगी परिवार ने घटना की शिकायत निरसा पुलिस से की है. पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले

की छानबीन कर रही है. इस संबंध में पीड़ित परिवारों ने निरसा थाना में शिकायत दर्ज करायी है. सुजीत रविदास की पत्नी सुलेखा देवी ने तीन लोगों पर चोरी की घटना को अंजाम देने की आशंका जतायी है.

चारों आवासों में ताला बंद था

ग्रामीणों ने बताया कि जिन चार घरों का ताला चोरों ने तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है. उन चारों हीं घर के गृह स्वामी घर पर नहीं थे. चोरों ने घर के ताले को छोड़कर घर में प्रवेश किया तथा आराम से नगदी एवं जेवरात पर हाथ साफ किया तथा चलते बने. ग्रामीणों ने बताया कि अखिलेश सिंह की पत्नी की तबीयत खराब है. जिसका इलाज कराने वह बाहर गए हुए हैं. वही सुजीत रविदास की पत्नी सुलेखा देवी अपने बच्चों के साथ अपने रिश्तेदार के घर रह रही है. इन्हीं दोनों लोगों के घरों से नगदी एवं जेवरात की चोरी हुई है. बिकेश सिंह भी उक्त आवास नहीं रहते उक्त कमरे का इस्तेमाल बैठक एवं सामान रखने के लिए इस्तेमाल होता है. एके राय अंसारी नाइट शिफ्ट ड्यूटी में गए हुए थे. सुबह जब आसपास के लोग जागे तो देखा कि उपरोक्त लोगों के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है. उसके बाद घर के लोग आए तो मामले की जानकारी हुई.

सुजीत के आवास से 10 हजार नकदी व लाखों के जेवरात ले गये चोर

सुजीत रविदास की पत्नी आंगनबाड़ी सेविका सुलेखा देवी ने बताया कि उनके आवास से नकद 10 हजार रुपए, सोने की एक चेन, सोने की चार जोड़ी कनवाली, सोने का एक जोड़ी कंगन गायब है. इस संबंध में सुलेखा देवी ने थानी में दी शिकायत में कहा है कि रविवार की सुबह घर पहुंची, तो देखा कि सागर मल्लाह पिस्तौल लेकर घर से निकल रहा था. घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था. घर के अंदर अलमारी का लॉक टूटा था. उसमें रखा जेवरात एवं नकदी गायब थे. सागर मल्लाह एवं सुजीत रविदास के बीच पहले से विवाद चल रहा है. हाल में सागर मल्लाह के जांघ में गोली लगी थी. गोली मारने का आरोप सुजीत रविदास पर लगा था.

अखिलेश सिंह के घर में कोई नहीं है : अखिलेश सिंह के घर में कोई नहीं रहने के कारण उनके यहां से कितने की चोरी हुई है, पता नहीं चल पाया है. अलमारी एवं दीवान का ताला एवं लाकर टूटा हुआ है. पलंग पर जेवरात के खाली डब्बे पड़े थे. वहीं विकेश सिंह एवं एके राय अंसारी के घर का अलमारी एवं बक्से का ताला तोड़ा गया था, लेकिन अलमारी एवं बक्से में नकदी व जेवरात नहीं मिलने पर चोर छोड़कर चले गए.

सभी बिंदुओं पर चल रही है छानबीन : थानेदार

इस संबंध में निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि पुलिस सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही है. जल्द ही मामले का खुलासा होगा.